www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 278 | जौनपुर शनिवार, 30 मई 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रुपये

संक्षिप्त खबरें

सुप्रीम कोर्ट ने सभी हाईकोर्ट को दिए निर्देश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। न्यायिक मामलों में फैसलों की देरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। शीर्ष न्यायालय ने देशभर के सभी हाईकोर्टों के लिए विस्तृत दिशा–निर्देश जारी करते हुए कहा है कि जिन मामलों में सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रखा जाता है, उनमें यथासंभव तीन महीने के भीतर निर्णय सुनाया जाना चाहिए। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़े मामलों, विशेष रूप से जमानत और अग्रिम जमानत याचिकाओं में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि जमानत मामलों में आदेश उसी दिन जारी किया जाना चाहिए। यदि किसी कारण से आदेश सुरक्षित रखा जाता है तो उसे अगले दिन तक सुनाना अनिवार्य होगा।सुप्रीम कोर्ट का यह महत्वपूर्ण आदेश झारखंड हाईकोर्ट में लंबित कुछ आपराधिक अपीलों की सुनवाई के दौरान आया। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि सुनवाई पूरी होने के बावजूद दो से तीन वर्षों तक फैसले नहीं सुनाए गए। अदालत ने माना कि ऐसी देरी न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता को प्रभावित करती है और नागरिकों के मौलिक अधिकारों पर भी असर डाल सकती है।

दिल्ली हाई कोर्ट में सदानंद मास्टर के राज्यसभा नामांकन को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने सी. सदानंद मास्टर के राज्यसभा में नामांकन को चुनौती देने वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट कहा कि याचिका में कोई ठोस आधार नहीं है और इसमें उठाए गए तर्क कानून की कसौटी पर टिकते नहीं हैं। कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि याचिकाकर्ता द्वारा मांगी गई राहत किसी भी तरह से स्वीकार नहीं की जा सकती, इसलिए इस पीआईएल को समाप्त किया जाता है। यह जनहित याचिका पेशे से वकील सुभाष थीक्कादन ने दायर की थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि राज्यसभा के लिए मनोनीत किए गए सी. सदानंद मास्टर के पास संविधान में निर्धारित मानकों के अनुसार आवश्यक विशेष ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव नहीं है। याचिकाकर्ता का कहना था कि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी में ऐसा कोई प्रमाण नहीं मिलता, जिससे यह साबित हो सके कि उनके पास साहित्य, विज्ञान, कला या समाज सेवा जैसे क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्तर की विशेष विशेषज्ञता या उल्लेखनीय योगदान है। यह भी तर्क दिया गया था कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 80(3) के तहत राज्यसभा में मनोनीत होने वाले व्यक्ति को इन क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान देना चाहिए, लेकिन याचिकाकर्ता के अनुसार सी. सदानंद मास्टर के मामले में इस तरह का कोई स्पष्ट आधार सामने नहीं आता। दिल्ली हाई कोर्ट ने सुनवाई ।

सीएम योगी ने मृतकों के परिजनों को 5 लाख, घायलों को 50 हजार मुआवजे का ऐलान किया

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में भीषण तूफान की वजह से निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा ढह गया, जिससे मलबे के नीचे दबकर छह श्रमिकों की जान चली गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीड़ित परिवारों को 5–5 लाख रुपए और घायलों को 50,000 रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर पोस्ट किया, जनपद हमीरपुर में बेतवा नदी पर हुई जनहानि अत्यंत दुखद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। जिला प्रशासन को एसडीआरएफ के साथ मिलकर राहत और बचाव कार्य तेजी से संचालित करने के लिए निर्देश दिए हैं।ष सीएम ने लिखा कि प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। इसके साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। सीएम की ओर से वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचने और राहत व बचाव कार्य तेज करने का प्रशासन को निर्देश दिया गया। साथ ही मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिजनों से अधिकारियों की ओर से संवाद बनाकर हरसंभव सहायता उपलब्ध करवाने के भी निर्देश दिए। हमीरपुर के डीएम अभिषेक गोयल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, ष्28 और 29 मई की मध्यरात्रि करीब 2 बजे सूचना मिली कि थाना लालपुर क्षेत्र के मोराकंदर और कुरारा की मवाईजार को जोड़ने के लिए बन रहे पुल का स्लैब गिर गया है, जिसके नीचे कुछ लोग दब गए हैं। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और हम सभी तत्काल मौके पर पहुंच गए। मौसम को लेकर पहले ही मौसम विभाग और प्रशासन ने एडवाइजरी जारी की गई थी।ष उन्होंने बताया कि हादसे के बाद राहत बचाव कार्य जारी किया गया। जानकारी के अनुसार कुछ मजदूर बारिश से बचने के लिए नीचे रखी गई मशीन के पास खड़े थे, तभी ये हादसा हो गया।

आंतरिक शांति ही बाहरी सौहार्द का आधार है' : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने शुक्रवार को कहा कि "आंतरिक शांति ही बाहरी सौहार्द का वास्तविक आधार है।" उपराष्ट्रपति आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के 45वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। बेंगलुरु में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालु, स्वयंसेवक और आध्यात्मिक साधकों ने भाग लिया। समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि वर्तमान समय में दुनिया तनाव, संघर्ष और मानसिक अस्थिरता से जूझ रही है। ऐसे में आध्यात्मिक मूल्यों, योग, ध्यान और आत्मिक संतुलन का महत्व और बढ़ गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि समाज में स्थायी शांति और भाईचारा तभी संभव है, जब हर व्यक्ति भीतर से शांत और संतुलित और सकारात्मक हो। उपराष्ट्रपति ने आर्ट ऑफ लिविंग की सराहना करते हुए कहा कि संस्था ने भारतीय संस्कृति के मूल मंत्र "वसुधैव कुटुंबकम्" को वैश्विक पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि आधुनिकता और प्राचीन भारतीय परंपराएं एक–दूसरे की विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। समारोह के दौरान उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने आर्ट ऑफ लिविंग के 45वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विशेष स्मारक डाक टिकट जारी किया। इस अवसर पर कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर, संस्था के वरिष्ठ सदस्य और देश–विदेश से आए गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

गृह मंत्री अमित शाह आज कच्छ सीमा का करेंगे दौरा, दलदली क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था का लेंगे जायजा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह आज शुक्रवार को अपने गुजरात दौरे के दूसरे दिन सीमावर्ती जिले कच्छ में रहेंगे। इस दौरान वह भारत–पाकिस्तान सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करेंगे और सीमा सुरक्षा बल के जवानों से मुलाकात करेंगे। आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार, अमित शाह दिन की शुरुआत बॉर्डर आउटपोस्ट जी–7 के उद्घाटन से करेंगे। इसके बाद वह बीएसएफ जवानों से बातचीत भी करेंगे। यह कार्यक्रम भुज के पास स्थित जी–7 बॉर्डर पोस्ट पर आयोजित किया जाएगा। दौरे के दौरान अमित शाह के बीएसएफ द्वारा आयोजित 'प्रहरी सम्मेलन' में शामिल होने की भी संभावना है। दोपहर में गृह मंत्री ओपी टावर–1170 के कंट्रोल रूम का दौरा करेंगे, जहां वह संवेदनशील सीमा क्षेत्र में तैनात निगरानी और मॉनिटरिंग सिस्टम की समीक्षा करेंगे। अधिकारियों के मुताबिक, अमित शाह पीटीजेड सर्विलांस कैमरों की लाइव फीड भी देखेंगे। इन कैमरों का इस्तेमाल कच्छ के दलदली और कठिन इलाकों में सीमा की निगरानी के लिए किया जाता है। इसके बाद गृह मंत्री हरामी नाला क्षेत्र का दौरा करेंगे। यहां वह क्रीक इलाके में बोट विजिट करेंगे और जेट्टी प्वाइंट पर पौधरोपण कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। हरामी नाला गुजरात के रण के कच्छ में सर क्रीक के पास स्थित भारत–पाकिस्तान सीमा का अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है। उथले जलमार्ग, दलदली भूभाग और जटिल क्रीक नेटवर्क के कारण यह इलाका सुरक्षा की दृष्टि से काफी चुनौतीपूर्ण माना जाता है। यहां घुसपैठ, तस्करी और संदिग्ध नौकाओं की आवाजाही का खतरा लगातार बना रहता है।

बंगाल में जनगणना प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए सीएम सुवेंदु अधिकारी की अध्यक्षता में होगी बैठक

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी शुक्रवार को राज्य सचिवालय नबन्ना में एक बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें राज्य में जनगणना प्रक्रिया को तेज करने के तरीकों पर चर्चा की जाएगी। सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में गठित नए मंत्रिमंडल की 11 मई को हुई पहली बैठक में जनगणना प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया गया था। इसके बाद राज्य सरकार ने जनगणना कार्य पूरा करने के लिए विभिन्न स्तरों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपते हुए एक अधिसूचना जारी की। जिला स्तर पर, संभागीय आयुक्तों, जिला मजिस्ट्रेटों, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेटों, उप–मंडल मजिस्ट्रेटों, ब्लॉक विकास अधिकारियों (बीडीओ) और संयुक्त बीडीओ को इस कार्य के लिए अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। शहरी या नगरपालिका क्षेत्रों में आयुक्तों, अतिरिक्त आयुक्तों, नगरपालिका कार्यकारी अधिकारियों और समकक्ष रैंक के अधिकारियों को जनगणना का कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। अब शुक्रवार को मुख्यमंत्री अधिकारी कार्य की प्रगति की समीक्षा करने और प्रक्रिया में तेजी लाने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता करेंगे। हालांकि कुछ समय पहले कई राज्यों में जनगणना कराने के लिए प्रारंभिक तैयारी का काम शुरू हो गया था, लेकिन राज्य में हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों के बाद भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली नई सरकार के सत्ता में आने तक यह प्रक्रिया रुकी रही। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली और तृणमूल कांग्रेस शासित पिछली राज्य सरकार पर इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय को आवश्यक सहयोग न देने का आरोप लगाया है, जिसके कारण राज्य में जनगणना प्रक्रिया की शुरुआत में देरी हुई है। राज्य सचिवालय के एक अंदरूनी सूत्र ने बताया कि शुक्रवार को मुख्यमंत्री अधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में चर्चा का मुख्य एजेंडा जनगणना की तैयारी, प्रक्रिया में शामिल कर्मचारियों का प्रशिक्षण, डाटा संग्रह विधियों की पहचान और इस मामले में केंद्र सरकार के साथ सुचारू और प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने के तरीके होंगे।

यूपी - उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का अखिलेश पर पलटवार

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव के स्वास्थ्य मंत्री से पत्रकार बने वाले बयान पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने पत्रकारिता और संवाद की परंपरा का हवाला देते हुए कहा कि पत्रकारों को खलिहर बताना मेहनतकश समाज और मीडिया जगत का अपमान है। ब्रजेश पाठक ने कहा कि संवाद और साक्षात्कार भारतीय लोकतंत्र की सनातन परंपरा है और झूठ के सौदागर हमेशा सच्चाई और संवाद से डरते हैं।दरअसल, सपा मुखिया अखिलेश यादव ने उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और मंत्री नरेंद्र कश्यप की बातचीत पर चुटकी लेते हुए कहा था, ष्जो स्वास्थ्य मंत्री के रूप में साबित हो गए बेकार, अब वो बन गए पत्रकार, क्योंकि समय बिताने के लिए करना है कुछ काम, सरकार, संगठन, दल में तो पहले ही हुए नाकाम। प्रदेश की जनता बिन–बिजली गर्मी–बीमारी में तड़प रही है और भाजपाई मंत्री 'इंटरव्यू–इंटरव्यू' खेलकर गर्मी की छुट्टियां मना रहे हैं। फिर डपट पड़ेगी डिप्टी को। बेहद बचकाना।ष्उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अखिलेश यादव पर पलटवार करते हुए लिखा, श्एकात्म मानववाद, अंत्योदय के प्रणेता स्व. पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी, तत्कालीन जनसंघ अध्यक्ष स्व. पीतांबर दास जी, भारत रत्न, शिक्षाविद, राष्ट्र ऋषि स्व. नानाजी देशमुख जी एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, महान विचारक स्व. डॉ. राममनोहर लोहिया जी का संवाद करते हुए ऐतिहासिक पल। पत्रकार होना गर्व की बात है स मैं तो लघु व्यक्ति और साधारण सामाजिक – राजनीतिक कार्यकर्ता हूं लेकिन हमारा गौरवशाली इतिहास साक्षी है कि जितने महान जननेता हुए हैं, लगभग सभी पत्रकार रहे हैं सश्उन्होंने आगे लिखा, ष्पंडित दीनदयाल जी मासिक पत्रिका राष्ट्रधर्म निकालते थे स लोहिया जी हिंदी मासिक पत्रिका जन और अंग्रेजी मासिक पत्रिका मैनकाइंड के संपादक थे। संवाद और साक्षात्कार करना हमारी सनातन परम्परा है, वादे वादे जायते तत्वबोध। लोकनायक जयप्रकाश जी ने कहा था कि तानाशाह ही संवाद के विरोधी होते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान मात्र 4 दिनों में पाकिस्तान को युद्धविराम मांगने पर किया मजबूर : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने महज चार दिनों के भीतर पाकिस्तान को युद्धविराम की अपील करने पर मजबूर कर दिया। रक्षा मंत्री ने इस अभियान को भारत के सैन्य इतिहास की एक अभूतपूर्व सफलता बताया। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति, आधुनिक सैन्य क्षमता और तीनों सेनाओं के उत्कृष्ट तालमेल का जीवंत उदाहरण था। इस मौके पर राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित एक विशेष स्मारक प्रकाशन का विमोचन किया। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी और सशस्त्र बलों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। राजनाथ सिंह ने कहा, "यह प्रकाशन केवल घटनाओं का दस्तावेज नहीं है, बल्कि उन वीर सैनिकों की भावनाओं, संघर्ष और अनुभवों को भी जीवंत रूप में सामने लाता है, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित की। उन्होंने कहा कि आधुनिक युद्ध केवल हथियारों और रणनीतियों से नहीं जीते जाते, बल्कि उनमें नेतृत्व, साहस, मानसिक दृढ़ता और दबाव में सही निर्णय लेने की क्षमता सबसे बड़ी भूमिका निभाती है।

देश की अर्थव्यवस्था मजबूत, चालू खाता घाटा निर्धारित स्तर के अंदर : आरबीआई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वैश्विक अस्थिरता के बीच देश की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। इसकी वजह घरेलू मांग का स्थिर रहना और सर्विसेज सेक्टर का तेजी से बढ़ना है। वहीं, चालू खाता घाटा निर्धारित स्तर के अंदर बना हुआ है। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से शुक्रवार को वित्त वर्ष 2025–26 के लिए जारी वार्षिक रिपोर्ट में दी गई। केंद्रीय बैंक ने रिपोर्ट में कहा, "वैश्विक अनिश्चितताओं के बने रहने के बावजूद, स्थिर घरेलू मांग और मजबूत सेवा क्षेत्र के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था 2025–26 में भी मजबूत बनी रही। खाद्य पदार्थों में अपस्फीति और मजबूत अनुकूल आधार प्रभाव के कारण मुख्य महंगाई दर में नरमी आई। वहीं, जमा और ऋण में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। केंद्र सरकार राजकोषीय समेकन जारी रखे हुए हैं और पूंजीगत व्यय पर लगातार जोर दिया जा रहा है। वहीं, वैश्विक अनिश्चितता में इजाफे के बाद भी बाह्य क्षेत्र लचीला बना हुआ है।" आरबीआई के मुताबिक, "2025–26 में चालू खाता घाटा अपने निर्धारित स्तर के भीतर ही रहा और विदेशी मुद्रा भंडार पर्याप्त स्तर पर बना रहा, जिससे व्यापक आर्थिक और वित्तीय स्थिरता को समर्थन मिला।" भारतीय वित्तीय बाजारों ने लचीलापन प्रदर्शित किया, जिसमें मुद्रा बाजार दरें नीतिगत रेपो दर और मौजूदा तरलता स्थितियों के अनुरूप विकसित हुईं। केंद्रीय बैंक के मुताबिक, 2025–26 में इक्विटी बाजारों में द्विदिशात्मक गति देखी गई। एक तरफ सहायक मौद्रिक और राजकोषीय नीति उपायों ने बाजार भावना को बेहतर बनाया, जबकि भू–राजनीतिक और टैरिफ अनिश्चितताओं, और एआई से संबंधित चिंताओं से उत्पन्न नकारात्मक वैश्विक संकेतों ने दबाव बनाने का काम किया। वहीं, अप्रैल 2025 में अमेरिकी टैरिफ जैसे बाहरी झटकों के बाद भी भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहा। देश की अर्थव्यवस्था को स्थिर निवेश, उपभोग में वृद्धि और सेवा क्षेत्र में मजबूती और आपूर्ति पक्ष में औद्योगिक गतिविधि में सुधार से गति मिल रही है।

खाद्य सुरक्षा और किसानों की आय बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता – शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने खरीफ फसलों की तैयारियों को तेज करते हुए नई कृषि रणनीति पर मंथन शुरू कर दिया है। नई दिल्ली के पूसा परिसर में आयोजित खरीफ सम्मेलन–2026 को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, किसानों की आय बढ़ाना और लोगों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। दो दिवसीय सम्मेलन में देशभर के कृषि मंत्री, वैज्ञानिक, वरिष्ठ अधिकारी, एफपीओ प्रतिनिधि और कृषि विशेषज्ञ हिस्सा ले रहे हैं। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि "टीम एग्रीकल्चर" केवल केंद्र सरकार नहीं, बल्कि राज्य सरकारें, वैज्ञानिक और कृषि से जुड़े सभी संस्थान हैं। उन्होंने कहा कि खेती हर राज्य में अलग होती है, इसलिए रणनीति भी क्षेत्रीय स्तर पर बनाई जा रही है। इसी उद्देश्य से जयपुर, लखनऊ और भुवनेश्वर में क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किए जा चुके हैं, जबकि पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत में भी जल्द सम्मेलन होंगे। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देश ने इस वर्ष खाद्यान्न उत्पादन में नया रिकॉर्ड बनाया है। वर्ष 2025–26 में कुल खाद्यान्न उत्पादन 3,765.63 लाख टन तक पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 188 लाख टन अधिक है। उन्होंने कहा कि भारत ने धान उत्पादन में चीन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया में पहला स्थान हासिल कर लिया है। देश में धान उत्पादन 1,540.24 लाख टन, गेहूं उत्पादन 1,206.57 लाख टन और मक्का उत्पादन 550.92 लाख टन दर्ज किया गया है। तेलहन उत्पादन में भी रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है। इस वर्ष कुल तेलहन उत्पादन 430.59 लाख टन रहने का अनुमान है। वहीं मूंगफली और सरसों उत्पादन भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि दलहन और तेलहन में आत्मनिर्भरता सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए अलग–अलग मिशन बनाए गए हैं।

संपादकीय

अगले चुनाव की तैयारी में जुटी कांग्रेस

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में नए सिरे से जिम्मेदारियां तय की जा रही हैं। 2023 में बड़ी जीत के बाद दूसरी बार मुख्यमंत्री बने सिद्धारमैया ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इससे पहले 2013 से 2018 तक सिद्धारमैया कांग्रेस सरकार में पूरे पांच साल के लिए मुख्यमंत्री थे। बताया जा रहा है कि 2023 में कांग्रेस ने यह तय कर लिया था कि राजस्थान या मध्यप्रदेश जैसी उलझन से बचने के लिए बारी–बारी से दो मुख्यमंत्री बनाए जाएंगे। सिद्धारमैया के बाद डी के शिवकुमार की सबसे सशक्त उम्मीदवार थे, लिहाजा अब यह कमोबेश तय है कि अब तक उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष दोनों की जिम्मेदारी संभालने वाले डीके शिवकुमार ही नए मुख्यमंत्री होंगे।गुरुवार सुबह जब अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ सिद्धारमैया ने नाश्ते पर बैठक की और उसमें डीके शिवकुमार सिद्धारमैया को गले लगाते और उनके पैर छूते हुए भावुक हो गए, तभी यह तय हो गया कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में बड़े सहज तरीके और सद्भावनापूर्ण माहौल में मुख्यमंत्री का चेहरा बदला जा रहा है। दरअसल मंगलवार को दोनों नेताओं ने दिल्ली में राहुल गांधी के साथ बैठक की थी, तभी से सुगबुगाहट थी कि कर्नाटक में कांग्रेस कोई बड़ा बदलाव करने जा रही है। कांग्रेस विरोधी मीडिया की बांछें इस पर खिली हुई थीं, क्योंकि उन्हें किसी न किसी तरह कांग्रेस के खिलाफ कोई विवाद तलाशना होता है। उनकी दुकानदारी कांग्रेस को मुश्किल में दिखाने से ही चलती है। इसलिए 2023 से ही डी के शिवकुमार और सिद्धारमैया के बीच दुश्मनी दिखाने वाली कई बेबुनियाद खबरें चलाई जाती रहीं। यह सच है कि कुर्सी के कारण राजनैतिक दलों में बड़े नेताओं के बीच खींचतान चलती है, इस प्रवृत्ति की शिकार अकेली कांग्रेस नहीं है। लेकिन कांग्रेस इस प्रवृत्ति के कारण मुश्किल में इसलिए पड़ जाती है, क्योंकि यहां आंतरिक लोकतंत्र है, नाराज नेताओं को बयान देने की छूट है और पार्टी आलाकमान के खिलाफ बोलकर भी बड़े पदों पर उन्हें बिठाया जाता रहा है, भले फिर पार्टी को इससे नुकसान हो। दूसरी तरफ भाजपा में नरेन्द्र मोदी और अमित शाह की मर्जी के खिलाफ एक पत्ता भी नहीं हिलता है। उनकी मर्जी हुई तो एक नहीं दो–दो बार गुजरात में मुख्यमंत्री और केबिनेट को बदल दिया। महाराष्ट्र में देवेन्द्र फड़नवीस को पहले मुख्यमंत्री बनाया फिर उपमुख्यमंत्री और अब फिर से मुख्यमंत्री बना दिया। असम, मणिपुर, त्रिपुरा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा ऐसे तमाम राज्यों में मुख्यमंत्री की कुर्सी पर मोदी–शाह की पसंद ही चली और राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर राज्यों के अध्यक्ष बनाने में भी उन्हीं दोनों की मर्जी चलती है। इसलिए जब तक बन पड़ा जे पी नड्डा का अध्यक्षीय कार्यकाल बढ़ाया गया, फिर बिहार की सत्ता पर पकड़ बनानी थी, तो उन्हें हटाकर नितिन नबीन को अध्यक्ष बनाया गया। अभी गुरुवार को ही पंजाब, दिल्ली, हरियाणा और त्रिपुरा की भाजपा इकाइयों के अध्यक्ष बदले गए हैं।कोई पार्टी किस नेता को क्या जिम्मेदारी सौंपती है, यह उसका आंतरिक मामला होता है। लेकिन भाजपा के प्रभाव में आकर अब मीडिया ने ऐसा नैरेटिव सेट कर दिया है, जिसमें मोदी–शाह पार्टी में कोई भी फेरबदल करें तो वह मास्टर स्ट्रोक हो जाता है और कांग्रेस कोई फेरबदल करे तो उसे पार्टी के अंदरूनी झगड़े का असर बताया जाता है। कर्नाटक में भी यही कहानी चलाने की कोशिश की गई, लेकिन अच्छी बात है कि सिद्धारमैया और डी के शिवकुमार ने इस कहानी पर पहले ही पूर्णविराम लगा दिया।अपने इस्तीफे के बाद सिद्धारमैया ने कहा कि उनके आलाकमान ने जो कहा उन्होंने वो किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा, श्हाई कमान ने मुझसे राज्यसभा में जाने के लिए कहा। लेकिन, मैंने विनम्रतापूर्वक इस प्रस्ताव को यह कहते हुए ठुकरा दिया कि मेरी राष्ट्रीय राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं है।

लोकतंत्र के लिए निराशाजनक फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार 27 मई को बिहार और अन्य राज्यों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की वैधता को बरकरार रखने का महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने साफ कर दिया है कि एसआईआर कराना चुनाव आयोग का अधिकार है और इससे मतदाता सूची को सही और पारदर्शी बनाए रखने में मदद मिलती है। इस फैसले के बाद संविधान कुचलने और लोकतंत्र को हराने की भाजपा की कोशिश को बड़ी कामयाबी मिली है। भाजपा ने इसका इजहार भी कर दिया है। भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने इसे विपक्ष के लिए संवैधानिक हार बताया है। इस तरह जाहिर हो गया कि भाजपा और चुनाव आयोग एक टीम में हैं, अन्यथा इस फैसले में चुनाव आयोग की कार्रवाई को सही बताया गया है तो भाजपा उसकी खुशी क्यों मना रही है। सुधांशु त्रिवेदी ने विपक्ष पर बेबुनियाद आरोप लगाते हुए कहा कि मामला सिर्फ इतना ही नहीं है कि एसआईआर के खिलाफ आरोप निराधार साबित हुए बल्कि मुद्दा इससे कहीं अधिक गंभीर है। उन्होंने कहा कि आज विपक्षी दल, विशेषकर कांग्रेस पार्टी का चीन के साथ समझौता है, उनका परिवार इटली में है। उनकी विचारधारा का केंद्र इंग्लैंड और यूरोप में है, और प्रचार का केंद्र अमेरिकी संस्थान हैं और वोटों का प्रवाह बांग्लादेश से जुड़ा हुआ है।जाहिर है एक बार फिर कांग्रेस और गांधी परिवार को निशाने पर लिया गया है, जबकि एसआईआर के खिलाफ टीएमसी, सपा, आरजेडी, डीएमके जैसे तमाम दल हैं। इन सबका एक ही तर्क है कि नागरिकों को वोट देने के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता और एसआईआर के जरिए ऐसा ही हो रहा है। पाठक जानते हैं कि आजादी के बाद जब संविधान बना और उसके तहत लोकतांत्रिक चुनाव करवाने की प्रक्रिया शुरु हुई तो नीति निर्माताओं का जोर इस बात पर था कि देश के हर वयस्क नागरिक को मतदान का अधिकार मिले, ताकि सही अर्थों में जनता अपने लिए सरकार चुन सके। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए नागरिकों को चुनाव दर चुनाव मतदान के लिए जागरुक किया गया, चुनावों को लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व के तौर पर निरूपित किया गया। चुनाव आयोग की कोशिश रही कि जिन नागरिकों ने बतौर मतदाता अपना नाम दर्ज नहीं कराया है, उन तक पहुंचा जाए। क्योंकि एक भी नागरिक अगर मतदान के अधिकार से वंचित रहे तो यह लोकतंत्र की बड़ी हार होती। लेकिन एसआईआर के जरिए क्या इस लोकतंत्र को हराने की कोशिश हो रही है, ऐसी चिंता के साथ कई लोगों ने सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण की वैधता को लेकर याचिकाएं दाखिल की थीं।ध्यान रहे कि पिछले साल बिहार से एसआईआर की शुरुआत की गई थी और तब सवाल उठे थे कि ठीक चुनाव के पहले ऐसी कवायद की क्या जरूरत है। अगर मतदाता सूची में गड़बड़ी थी तो क्या लोकसभा चुनाव के नतीजे अवैध कहे जा सकते हैं। क्या चुनाव आयोग के पास एसआईआर कराने का संवैधानिक अधिकार है? दस्तावेज जमा न कर पाने पर जो लाखों लोगों के नाम कटे हैं, क्या उन्हें अब नागरिकता के अधिकार से भी वंचित माना जाएगा। जिस तरह के दस्तावेज चुनाव आयोग ने मांगे, उस पर तो एनडीए के कई नेता भी असहज दिखे कि वो अपने मां–बाप का जन्म प्रमाण पत्र कहां से लाएं, या कैसे प्रवासी मजदूर अपने नागरिक होने का सबूत पेश करें, क्योंकि एसआईआर में आधार कार्ड को भी मान्य नहीं किया गया। सुप्रीम कोर्ट में इन पर सुनवाई होती रही, लेकिन इस बीच, आयोग बिहार समेत कई राज्यों में एसआईआर करवा दिया, और उसी सूची से विधानसभा चुनाव भी संपन्न हो गए। कायदे से जब किसी विवादास्पद फैसले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होती है, तो उसे अमल में लाने से रोका जाना चाहिए।

दिल्ली जनजातीय सम्मेलन- अस्मिता, अधिकार का आधुनिक उलगुलान

डॉ. प्रवीण

भील और भारिया की दो कहावतें हैं – भील कहते हैं, ष्होने नी रेत, ने खोने नो डर" और भारिया कहते हैं ष्डोकरी मरिगे त कए घलो, बाकी राकस घर नई देखे। इन दो जनजातीय कहावतों में लालकिले से जनजातीय संदेश का सार छिपा है। भील कहावत का अर्थ है – "जिसके पास सोने की रेत नहीं, उसे खोने का डर क्या?" जनजातीय समाज के लिए अब ये एक भुला–बिसरा चिंतन है। अब केवल भील नहीं अपितु देश के प्रत्येक जनजातीय, वनवासी, गिरिवासी समाज को पता है कि उसके पास खोने को एक स्वर्ण खदान से भी अधिक समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा है। इस जनजातीय सांस्कृतिक संपदा, उनकी वन संपदा, उनकी श्रम संपदा का अनैतिक दोहन बहुत हुआ! और भारिया कहावत का अर्थ है – "बुढ़िया मर गई तो कोई बात नहीं, लेकिन राक्षस को घर का रास्ता नहीं देखना चाहिए"। जनजातीय समाज ने संसद के समक्ष सीना ठोककर कहा – "हमारे समाज को तोड़ने के लिए विदेशी शक्तियों, ईसाईयत, इस्लाम और वामपंथी विचारकों रूपी श्राक्षसश ने जो लाल जाल बुना है, उसे अब हमने पहचान लिया गया है। अब हम उसे अपने घर की रह नहीं दिखायेंगे। लालकिले से यह जनजातीय उद्घोष है – "अब दोहन, शोषण और नहीं, अब मतांतरण और नहीं, अब सनातन की आलोचना सहन नहीं, अब हमारी भाषा, नृत्य, संगीत, पूजा पद्धति, का विरूपण सहन नहीं"। रविवार को दिल्ली के लालकिले पर संपन्न विशाल जनजातीय सम्मेलन केवल पारंपरिक वेशभूषा, मांदल, खजरी आदि की थाप पर नृत्य और सांस्कृतिक वैभव का प्रदर्शन मात्र नहीं था, बल्कि यह भारत के मूल समाज द्वारा अपनी पहचान, संस्कृति और अधिकारों की शंखध्वनि थी। यह सम्मेलन ऐसे समय में हुआ है सुदूर वनांचलों में रहने वाला हमारा जनजातीय समाज अपनी जल, जंगल और जमीन के साथ–साथ अपनी सनातन संस्कृति को बचाने के लिए चतुर्दिक संघर्ष कर रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संवैचारिक, वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा कई दशकों से उठाए जा रहे मुद्दे अब राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं। सम्मेलन की गठी हुई भाषा और प्रखर स्वर ने यह साफ कर दिया कि जनजातीय समाज अब मूक दर्शक नहीं, बल्कि अपने भाग्य का विधाता स्वयं बनने को आतुर है। लालकिले से वनवासी समाज ने प्रखरता, प्रचण्डता, प्रगल्भता और प्रबलता से श्डीलिस्टिंगश की अपनी पुरानी माँग का पुनरुद्घोष किया। आरएसएस सदा–सदा से यह कहता रहा है कि स्वधर्म छोड़कर ईसाइयत और इस्लाम को स्वीकारने वाले लोगों को अनुसूचित जाति, जनजाति से बाहर किया जाना चाहिए। ईसाई मिशनरियों ने व्यापक स्तर पर भोले–भाले जनजातीय समाज को बहला–फुसलाकर, आर्थिक लालच देकर, दबावपूर्वकय जैसे भी हो वैसे भी मतांतरण कराया है। देश में सतत चल रहे इस षड्यंत्रपूर्ण मतांतरण से झारखंड, छत्तीसगढ़ पूर्वोत्तर राज्य में ऐसे अनगिनत उदाहरण हो गए हैं जहां धर्मांतरित लोग दोहरे लाभ उठा रहे हैं। वे एक ओर अल्पसंख्यक होने के नाते सरकारी योजनाओं और विदेशों से आने वाले भारी–भरकम फंड का लाभ लेते हैं, वहीं दूसरी ओर जनजातीय कोटे से आईएएस, आईपीएस और अन्य ऊंचे पदों पर आसीन होकर विदेशी एजेंडे को लागू करते रहते हैं। यह कटु सत्य है कि अपनी मूल संस्कृति में रमे ठेठ वनवासी आज भी सुविधाओं से वंचित हैं। सम्मेलन में सीधे शब्दों में चेतावनी दी गई कि ष्जो अपनी संस्कृति और पुरखों के देवी–देवताओं को छोड़ चुका है, वह जनजातीय कहलाने का हकदार नहीं हो सकता। कुछ वर्षों से देश में कई प्रायोजित टूलकिट गिरोह सक्रिय हैं, जो जनजातीय समाज को बहका रही है कि ष्तुम हिंदू नहीं हो, इसलिए जनगणना के फॉर्म में खुद को हिंदू मत लिखाना।ष लालकिले से जनजातीय समाज ने इस नैरेटिव का प्रखरता से खंडन किया है। यह षड्यंत्र मूलतः भारत की जड़ों को कमजोर करने का है। जनजातीय समाज प्रकृति पूजक है, और सनातन की आत्मा भी प्रकृति पूजा ही है। हम तुलसी, पीपल, सूर्य, नदी और गोवर्धन की पूजा करते हैंय और हमारे वनवासी भाई शबूढ़ादेवश, शबड़ादेवश और जंगलों की पूजा करते हैं। शब्दों का अन्तर है, भाव हमारे एक हैं। भगवान राम के वनवास काल में निषादराज, शबरी और वानर–भालू (जो वनों के निवासी थे) उनके सहचर बने। भगवान शिव स्वयं शकिरातश (वनवासी) रूप धारण करते हैं। ऐसे में जनजातीय समाज को सनातन से अलग दिखाना एक गहरा जियोपालिटिकल षड्यंत्र है। यह भारत के भीतर सांस्कृतिक विभाजन की नींव रखने का प्रयास है। दिल्ली के इस मंच से वक्ताओं ने झारखंड के संथाल परगना और छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए लव जिहाद और लैंड जिहाद के अत्यंत विषैले व घातक पैटर्न को उजागर किया। असम और झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और एक विशेष समुदाय के लोगों द्वारा जनजातीय महिलाओं को बहला– फुसलाकर या जबरन निकाह करने के मामले तेजी से बढ़े हैं। यह प्रवृत्ति मप्र जैसे राज्यों में भी बड़ी तेजी से बढ़ी है। चूंकि कानूनन कोई गैर–जनजातीय व्यक्ति जनजातीय की भूमि क्रय नहीं कर सकता, इसलिए इस कानून को धता बताने के लिए जनजातीय लड़कियों को मोहरा बनाया जाता है। निकाह के बाद जमीन उस महिला के नाम पर

हस्तांतरित करा दी जाती है और परोक्ष रूप से उस भूमि पर नियंत्रण उस समुदाय का हो जाता है। झारखंड की रुबिका पहाड़िन या अंकिता सिंह जैसी बेटियों के उदाहरण अभी ताजा हैं। यह केवल एक सामाजिक अपराध नहीं है, बल्कि एक सोची–समझी रणनीतिक जनसांख्यिकीय लड़ाई है जो आने वाले समय में देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकती है। वनवासी कल्याण आश्रम की प्रेरणा से ही मप्र में श्पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियमश यानी पेसा कानून का कार्य भली भाँति कार्य कर रहा है। पेसा कानून जनजातीय समाज को जल, जंगल और जमीन पर संप्रभुता का अधिकार देता है। लेकिन दुखद यह है कि कई राज्यों में नियम न बनने के कारण या राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण यह कानून केवल कागजों तक सीमित रहा। सम्मेलन में मांग की गई कि वन खनिजों की नीलामी, उद्योगों के लिए भूमि अधिग्रहण और स्थानीय विवादों के निपटारे में ग्राम सभा की अनुमति को अनिवार्य और सर्वोपरि बनाया जाए। इसके साथ ही, सरकारी नौकरियों और शिक्षा में मिल रहे आरक्षण का लाभ सुदूर अंचलों में बैठे अंतिम व्यक्ति तक कैसे पहुंचे, इसके लिए नीतियों के सरलीकरण पर जोर दिया गया।

यूएई से नॉर्डिक तक – भारत की कूटनीति, अवसर और अंतर्विरोध

अरुण

डनायक भारत अपनी कूटनीति में पूर्णतरू किसी एक ध्रुव के साथ नहीं, बल्कि रणनीतिक स्वायत्तता के साथ आगे बढ़ रहा है। नॉर्डिक दौरे में भारत को हरित ऊर्जा, तकनीक व निवेश मेंकृनॉर्वे, स्वीडन और नीदरलैंड के साथकृठोस लाभ मिले। यूएई यात्रा ऊर्जा और निवेश के क्षेत्र में और अधिक प्रभावी होती, यदि भारत ईरान पर हुए हमलों पर अपनी स्पष्ट चिंता जताता। मई 2026 की नरेंद्र मोदी की यूएई यात्रा में अनेक अहम समझौते हुएकृजिनमें रणनीतिक पेट्रोलियम भंडारण, एलपीजी आपूर्ति, सुपरकंप्यूटिंग क्लस्टर, वदीनार शिप रिपेयर क्लस्टर, रक्षा साझेदारी तथा आरबीएल बैंक व सम्मान कैपिटल में निवेश शामिल हैं। द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डॉलर से बढ़ाकर 2032 तक 200 अरब डॉलर करने का लक्ष्य है। यूएई में 40 लाख भारतीयों की उपस्थिति आपसी संबंधों की मजबूती दर्शाती है। इंडियन स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड और अबूधाबी नेशनल ऑयल कंपनी के समझौते के तहत अबूधाबी भारत में 30 मिलियन बैरल तक तेल भंडारित कर सकेगा। यह लीज मॉडल हैकृ सुविधा भारत की, पर स्वामित्व अबूधाबी का। आपातकाल में भारत को केवल श्प्राथमिक पहुंचश मिलेगी, जो पूर्ण गारंटी नहीं देती। भंडारण का अधिकांश खर्च भारत वहन करेगा, जबकि अबूधाबी को वाणिज्यिक लचीलापन मिलेगा। इसलिए इसे पूर्णतरू श्परस्पर लाभकारीश कहना जल्दबाजी होगी, क्योंकि इस अतिरिक्त स्टॉक की उपलब्धता से हमारी आयात निर्भरता और कम रणनीतिक भंडारण की मूल समस्या को पूरी तरह हल नहीं करता।यूएई की वेस्ट–ईस्ट पाइपलाइन परियोजना अभी निर्माणाधीन है और इसके 2027 में पूरा होने की संभावना है। यह हबशान से फुजैराह तक कच्चा तेल ले जाने वाली लाइन है, जो होर्मुज पर निर्भरता कम करने की यूएई की अपनी निर्यात सुरक्षा रणनीति का हिस्सा है। इसलिए इसे भारत के तत्काल लाभ के रूप में प्रस्तुत करना अतिशयोक्ति होगा। दुबई यात्रा को लेकर कुछ स्वाभाविक प्रश्न उठते हैं। दुबई ऊर्जा क्षेत्र का प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी नहीं है, और खाड़ी संकट के बाद भारत का व्यापारिक झुकाव सिंगापुर की ओर बढ़ा है। टैक्स हेवन, अपारदर्शी निवेश व संदिग्ध वित्तीय नेटवर्क से जुड़ी उसकी ऐतिहासिक छवि, सुधारों के बावजूद, जटिल रही है। ऐसे में प्रधानमंत्री की आठ यात्राएं नीति प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े करती हैं। भारत को अबूधाबी केंद्रित ऊर्जा सहयोग और दुबई आधारित वित्तीय संपर्कों के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखना चाहिए, ताकि अनावश्यक अटकलों से बचा जा सके।भू–राजनीतिक तनावों के बीच यूएई की यह यात्रा समयोचित भी नहीं लगती। विशेषज्ञ होर्मुज संकट को संरचनात्मक मानते हैं, जिससे 2026 में भारत की जीडीपी घटने व अर्थव्यवस्था पर दबाव संभव है। ऐसे में ऊर्जा सुरक्षा हेतु ईरान के साथ संतुलित कूटनीतिक संवाद जरूरी है, क्योंकि होर्मुज की चाबी उसी के पास है य केवल यूएई पर निर्भरता एकतरफा रणनीति हो सकती है। प्रधानमंत्री मोदी की नीदरलैंड यात्रा से भारत को सेमीकंडक्टर, जल प्रबंधन, डेयरी, कृषि प्रौद्योगिकी और रक्षा सहयोग क्षेत्रों में महत्वपूर्ण समझौते हासिल हुए। दोनों देशों ने व्यापार व निवेश बढ़ाने तथा इंडो–पैसिफिक में रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने का संकल्प लिया।प्रधानमंत्री मोदी की स्वीडन यात्रा में दोनों पक्षों ने ग्रीन ट्रांजिशन, एआई टेक्नालॉजी कॉरिडोर, हेल्थ–टेक, ग्रीन मोबिलिटी और रक्षा क्षेत्र में दीर्घकालिक औद्योगिक साझेदारी की घोषणाएं कीं। इस यात्रा ने यूरोप में भारत की तकनीकी और रणनीतिक पहुंच को प्रतीकात्मक रूप से मजबूत किया, परंतु इससे आगे ठोस परिणाम अभी दिखने बाकी हैं। प्रधानमंत्री मोदी की नॉर्वे यात्रा का महत्व इसलिये है क्योंकि लगभग 42 वर्षों बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री वहां गया। दोनों देशों ने 12 समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें हरित रणनीतिक साझेदारी, हिंद प्रशांत महासागर पहल, डिजिटल विकास, स्वास्थ्य सहयोग, अंतरिक्ष, समुद्री ऊर्जा, तकनीकी नवाचार और भू वैज्ञानिक अनुसंधान शामिल हैं। ओस्लो में आयोजित श्तृतीय भारत–नॉर्डिक शिखर सम्मेलनश में भारत और पांच नॉर्डिक देशों स्वीडन, नार्वे, आइसलैंड, डेनमार्क व फिनलैंड ने संबंधों को हरित प्रौद्योगिकी एवं नवाचार आधारित रणनीतिक साझेदारी तक उन्नत किया। स्वच्छ ऊर्जा, आर्कटिक सहयोग, ब्लू इकानॉमी, साइबर सुरक्षा, उभरती तकनीकों और निवेश पर व्यापक सहमति बनी। प्रधानमंत्री मोदी की इटली यात्रा में दोनों देशों ने राजनीतिक समन्वय, आर्थिक औद्योगिक एकीकरण, उभरती तकनीकों, हरित ऊर्जा और हिन्द भूमध्यसागर आर्थिक कारीडोर जैसे कनेक्टिविटी ढांचों पर सहयोग बढ़ाने का संकल्प दोहराया, जिससे भारत इटली साझेदारी को भविष्य उन्मुख दिशा मिली। राजनीति समाचार प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा कई चमकदार क्षणों से भरी रहीकृयूएई और स्वीडन के लड़ाकू विमानों की एस्कॉर्ट, नॉर्वे और स्वीडन के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, और भव्य स्वागत। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री ने मोदीजी की अनुपस्थिति में पत्रकारों के समक्ष भारत में प्रेस स्वतंत्रता और धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर चिंता जताई। नॉर्वे के प्रधानमंत्री ने कूटनीति और श्व्यापार के हथियारीकरणश पर मोदी सरकार की नीतियों पर अप्रत्यक्ष टिप्पणी की। एक नॉर्वेजियन पत्रकार ने भारत की प्रेस स्वतंत्रता पर सीधा सवाल उठाया। लेकिन प्रतीकात्मक सफलताओं के बीच में इन घटनाओं ने यात्रा की चमक पर हल्की खरोंच डाल दी।प्रधानमंत्री ने प्रश्न को अनसुना कर दिया, जिससे अनावश्यक कूटनीतिक असहजता पैदा हुई। बाद में विदेश मंत्रालय के सचिव सिबी जॉर्ज ने सफाई दी। उन्होंने भारत की सभ्यता, लोकतांत्रिक ढांचे और कोविड काल की भूमिका का हवाला दिया, पर उनका जवाब न तो प्रभावी लगा, न ही आश्वस्त करने वाला। उनकी झुंझलाहट और श्जानकारी के अभावश वाला तर्क स्थिति संभालने के बजाय और कमजोर ही दिखा। यह प्रकरण बताता है कि दूतावासों की तैयारी कमजोर थीय कूटनीति में कभी–कभी प्रधानमंत्री के दो वाक्य भी पूरी छवि बचा लेते हैंकृयह अवसर हाथ से निकल गया। इस यात्रा के दौरान नॉर्वे के प्रमुख अखबार श्आफ्टेनपोस्टेनश ने प्रधानमंत्री मोदी का एक कार्टून प्रकाशित किया, जिसमें उन्हें श्सपेरेश की मुद्रा में दिखाया गया। यह चित्रण पश्चिमी मीडिया में भारत की रूढ़िबद्ध छवि को प्रतिबिंबित करता है। हालांकि ऐसे व्यंग्य असामान्य नहीं हैं, लेकिन यह घटना उच्च–स्तरीय कूटनीतिक दौरों में मीडिया प्रबंधन की चुनौतियों की याद दिलाती है। पश्चिम एशिया संकट के बाद यूएई और इजरायल अंतरराष्ट्रीय जनमत में अलग थलग पड़ते दिख रहे हैं, और युद्ध को लेकर राष्ट्रपति ट्रम्प की छवि भी कमजोर हुई है। ऐसे जटिल वैश्विक माहौल में भारत को अपनी कूटनीतिक स्थिति बेहद सोच समझकर तय करनी होगी। प्रधानमंत्री मोदी की यूएई यात्रा जहां अमेरिकी रुख के प्रति सामरिक सामंजस्य का संकेत है, वहीं यूरोपीय देशों के दौरे यह संदेश भी देते हैं कि भारत अपनी कूटनीति में पूर्णतरू किसी एक ध्रुव के साथ नहीं, बल्कि रणनीतिक स्वायत्तता के साथ आगे बढ़ रहा है।

डिजिटल आक्रोश या नया राजनीतिक विकल्प- कॉकरोच जनता पार्टी के उभार के मायने

अशांशु

देश के मौजूदा राजनीतिक समीकरणों को देखते हुए इस आंदोलन के पीछे एक और गहरी राजनीतिक साजिश या प्रोपेगैंडा होने की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। राजनीतिक गलियारों में यह गंभीर चर्चा भी चल रही है कि कहीं यह श्कॉकरोच जनता पार्टीश खुद सत्ताधारी दल यानी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा ही पर्दे के पीछे से प्रायोजित किया गया कोई प्रयोग तो नहीं है? भारतीय राजनीति में सोशल मीडिया और मीम्स अब केवल मनोरंजन या समय काटने का साधन नहीं रह गए हैं, बल्कि वे व्यवस्था के खिलाफ पनप रहे एक बहुत बड़े और गहरे असंतोष को व्यक्त करने का सबसे धारदार हथियार बन चुके हैं। हाल के दिनों में इंटरनेट की दुनिया में श्कॉकरोच जनता पार्टीश (सीजेपी) नाम का एक बेहद अजीबोगरीब और अभूतपूर्व डिजिटल आंदोलन तेजी से उभरा है, जिसने मुख्यधारा के राजनीतिक पंडितों और समाजशास्त्रियों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, विशेषकर इंस्टाग्राम, एक्स और फेसबुक पर इस तथाकथित आभासी पार्टी के फॉलोअर्स की संख्या रातों–रात लाखों से होती हुई करोड़ों में पहुंच चुकी है। देश का युवा वर्ग, जो अक्सर अलग–अलग वैचारिक, धार्मिक और क्षेत्रीय दायरों में बिखरा रहता है, इस समय पहली बार एक सुर में इस आत्म–निंदा से भरे श्कॉकरोचश ब्रांडिंग के पीछे एकजुट खड़ा दिखाई दे रहा है। लेकिन इस डिजिटल सुनामी के बीच कई गंभीर सवाल भी तैर रहे हैं। सवाल यह है कि इस पूरी मुहिम के पीछे असल में कौन लोग हैं, इनका वास्तविक एजेंडा क्या है, और क्या भारतीय जनता का यह तीखा गुस्सा किसी वास्तविक राजनीतिक या सामाजिक बदलाव की ओर बढ़ रहा है, या फिर यह भी इतिहास के अन्य आंदोलनों की तरह केवल एक और चुनावी श्वोट–काटूश प्रोपेगैंडा बनकर रह जाएगा? इस पार्टी के बारे में कोई भी अंतिम धारणा बनाना अभी जल्दबाजी होगी, क्योंकि डिजिटल दुनिया की हवा जितनी तेजी से चलती है, उतनी ही तेजी से बदल भी जाती है।इस पूरे विवाद, गुस्से और आंदोलन की जड़ें सीधे तौर पर देश की सर्वोच्च अदालत की एक तल्ख टिप्पणी से जुड़ी हुई हैं। हाल ही में एक संवेदनशील मामले की सुनवाई के दौरान माननीय मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कथित तौर पर बेरोजगार युवाओं, सोशल मीडिया पर सक्रिय एक्टिविस्टों और बार–बार आरटीआई लगाने वाले कार्यकर्ताओं के संदर्भ में श्कॉकरोचश (तिलचट्टा) और श्परजीवीश जैसे बेहद कड़े और अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था। हालांकि, जब इस टिप्पणी को लेकर चौतरफा आलोचना शुरू हुई और सोशल मीडिया पर गुस्सा उबलने लगा, तो सुप्रीम कोर्ट और स्वयं सीजेआई की ओर से एक स्पष्टीकरण भी सामने आया, जिसमें कहा गया कि उनके बयान को संदर्भ से बाहर जाकर तोड़–मरोड़ कर पेश किया गया था और वे दरअसल केवल श्फर्जी डिग्रीश धारकों और ब्लैकमेलिंग करने वाले तत्वों की बात कर रहे थे। लेकिन राजनीति और जनभावनाओं की दुनिया में तब तक तीर कमान से छूट चुका था और जो संदेश जनता तक जाना था, वह जा चुका था। देश के पढ़े–लिखे लेकिन बेरोजगार युवाओं, अधिकारों के लिए लड़ने वाले एक्टिविस्टों और आम नागरिकों को यह भाषा सीधे अपने आत्मसम्मान पर चोट जैसी लगी। युवाओं को लगा कि एक लोकतांत्रिक देश में, जहां उन्हें राष्ट्र निर्माता कहा जाना चाहिए, वहां देश की सबसे बड़ी अदालत उन्हें श्परजीवीश कह रही है। आम आदमी पार्टी के पूर्व सोशल मीडिया रणनीतिकार अभिजीत दिपके ने युवाओं के इसी सुलगते हुए गुस्से को भांप लिया और इसे एक संगठित डिजिटल अभियान में बदलते हुए श्कॉकरोच जनता पार्टीश की नींव रख दी। इस आंदोलन ने बहुत ही चतुराई से व्यवस्था के दिए जख्म को ही अपना तमगा बना लिया और इसका नारा रखा गया कि श्उन्होंने हमें कुचलने की कोशिश की, लेकिन हम फिर वापस आ गए।श इस तथाकथित डिजिटल पार्टी की सदस्यता के नियम और शर्तें भी इतनी व्यंग्यात्मक और तंजभरी रखी गई हैं कि वे सीधे युवाओं को आकर्षित कर रही हैं, जैसे कि सदस्य बनने के लिए व्यक्ति का बेरोजगार होना, व्यवस्था से निराश होना, चौबीसों घंटे ऑनलाइन रहना और पेशेवर तरीके से मीम्स के जरिए सत्ता पर अपनी भड़ास निकालने की क्षमता रखना आवश्यक है।इस आंदोलन की इस अभूतपूर्व और अकल्पनीय हाइप को देखकर कई वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक और आम नागरिक इसकी तुलना वर्ष 2011–12 के ऐतिहासिक श्अन्ना हजारे आंदोलनश से कर रहे हैं, जिसने देश की राजनीति की दिशा बदल दी थी। लेकिन वह पुराना अनुभव देश की आम जनता के लिए सुखद नहीं रहा। उस समय देश ने देखा था कि कैसे विदेशी फंडिंग, कॉर्पोरेट घरानों की बैंकिंग और मीडिया के एक बहुत बड़े हिस्से के प्रायोजित समर्थन से घिरे एक आंदोलन ने तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के इतने बड़े और सनसनीखेज आरोप लगाए कि पूरी सरकार ही कटघरे में खड़ी हो गई। उस आंदोलन का नतीजा क्या निकला? परिणाम यह हुआ कि जिस जनलोकपाल बिल के लिए पूरा देश सड़कों पर उतर आया था, वह आज तक अपने असली स्वरूप में नहीं आ सका। अन्ना हजारे खुद आंदोलन खत्म होने के बाद परिदृश्य से पूरी तरह गायब हो गए या उन्हें गायब कर दिया गया। लेकिन उस आंदोलन की लहर पर सवार होकर देश में एक ऐसी नई राजनीतिक सत्ता का उदय जरूर हो गया, जिसने पूरे देश का राजनीतिक ताना–बाना ही बदलकर रख दिया। इसके बाद जब मामले देश की सबसे बड़ी अदालत यानी सुप्रीम कोर्ट में पहुंचे, तो टू जी स्पेक्ट्रम घोटाला और कोयला घोटाला जैसी बड़ी–बड़ी जांच समितियां और आरोप पूरी तरह से निराधार और खोखले साबित हुए। पिछले 12–13 सालों की कानूनी लड़ाइयों में उस समय लगाए गए आरोपों में से एक भी बड़ा आरोप अदालतों में साबित नहीं हो सका। विडंबना की पराकाष्ठा यह है कि आज देश में भ्रष्टाचार खत्म होने के बजाय एक नए और विकृत रूप में सामने आया है, जिसे अब लोग श्जीवन का शिष्टाचारश कहने लगे हैं। आज स्थिति यह है कि हजारों करोड़ रुपये के घोटाले या घपले देश की जनता के लिए सिर्फ मजाक बनकर रह गए हैं और भ्रष्टाचार एक सामान्य सी दैनिक घटना लगने लगी है। उस अन्ना आंदोलन ने असल में देश की जनता का श्आंदोलनोंश और श्क्रांतियोंश के प्रति जो एक पवित्र विश्वास था, उसे हमेशा के लिए तोड़ दिया। यही सबसे बड़ी वजह है कि आज भारतीय जनता कॉकरोच जनता पार्टी के इस नए उभार को देखकर भी तुरंत किसी धारणा को बनाने या इस पर भरोसा करने से हिचकिचा रही है।इसके साथ ही, देश के मौजूदा राजनीतिक समीकरणों को देखते हुए इस आंदोलन के पीछे एक और गहरी राजनीतिक साजिश या प्रोपेगैंडा होने की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। राजनीतिक गलियारों में यह गंभीर चर्चा भी चल रही है कि कहीं यह श्कॉकरोच जनता पार्टीश खुद सत्ताधारी दल यानी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा ही पर्दे के पीछे से प्रायोजित किया गया कोई प्रयोग तो नहीं है? इतिहास गवाह है कि जब भी कोई गैर–पारंपरिक और लीक से हटकर काम करने वाली पार्टी, जैसे कि पूर्व में आम आदमी पार्टी या कई अन्य क्षेत्रीय दल, अचानक राष्ट्रीय स्तर पर उभरते हैं, तो वे अंततरू देश के जागरूक और असंतुष्ट मतदाताओं के वोटों को बांटने का काम करते हैं। यदि यह कॉकरोच आंदोलन कल को सिर्फ सोशल मीडिया की दुनिया से बाहर निकलकर एक वास्तविक राजनीतिक दल का रूप लेता है ।

जिले के जिला कृषि अधिकारी का हुआ प्रमोशन,बने डिप्टी डायरेक्टर कृषि

अयोध्या।जिले में किसानों के बीच लोकप्रिय रहे जिला कृषि अधिकारी ओम प्रकाश मिश्र डिप्टी डायरेक्टर कृषि बनाये गये है। यह यह पदोन्नति शासन से मिली है।अब वह डिप्टी डायरेक्टर कृषि बनाए गए है।उनकी पदोन्नति 01 जून से मानी जायेगी।किसानों के लिए काफी अच्छे तालमेल बनाने और किसानों की समस्यायों का समाधान करवाने के लिए सदैव जाने जाएगे।शासन से प्रमोशन का पत्र उन्हें मिल गया है।

सीबीएसई की ऑन–स्क्रीन मार्किंग प्रणाली पर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

लखनऊ, (संवाददाता)। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड(सी बी एस ई) द्वारा 2025–26 की बारहवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं के लिए शुरू की गई नई ऑन–स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर पक्षकारों– केंद्र सरकार, सीबीएसई, परीक्षा नियंत्रक और उत्तर प्रदेश सरकार से चार सप्ताह में जवाब मांगा है। इसके बाद दो सप्ताह में याचिकाकर्ता इसका प्रतिउत्तर दाखिल कर सकेगा। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति प्रमोद कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ ने शुक्रवार को यह आदेश लखनऊ के अधिवक्ता द्वारा व्यक्तिगत रूप से दाखिल जनहित याचिका पर दिया है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली को जल्दबाजी में लागू करने से देशभर के लाखों छात्रों के मूल्यांकन में प्रणालीगत संस्थागत विफलता हुई है। याचिका में मांग की है कि ओएसएम प्रणाली को अमल में लाने की जांच करने और मूल्यांकन में कथित खामियों की पहचान करने के लिए एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति का गठन किया जाए। याचिका में यह भी मांग की गई है कि सभी प्रभावित छात्रों की उत्तर पुस्तिकाओं का पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा निःशुल्क पुनर्मूल्यांकन किया जाए।

रायबरेली में आंधी-बारिश से बिजली व्यवस्था धड़ाम

लखनऊ, (संवाददाता)। रायबरेली में बृहस्पतिवार रात करीब दो बजे तेज आंधी–तूफान और मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त–व्यस्त कर दिया। खीरों, सलोन, सतांव, शिवगढ़ और लालगंज में बड़ी संख्या में पेड़ गिर गए। इससे पूरे इलाके की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। सड़कों और संपर्क मार्गों पर पेड़ गिरने से आवागमन प्रभावित हुआ। ग्रामीणों को आने–जाने में भारी परेशानी हुई। लगातार बारिश से खेतों में खड़ी उड़द, मूंग जैसी दलहनी फसलें जलभराव की चपेट में आ गईं। किसानों को फसलों में भारी नुकसान की आशंका है। तेज हवाओं से आम के बागों को व्यापक क्षति हुई। बड़ी संख्या में आम जमीन पर गिर गए, जिससे बागवानों को आर्थिक हानि हुई। ग्रामीणों ने प्रशासन से विद्युत आपूर्ति बहाल करने और रास्तों से पेड़ हटाने की मांग की। उन्होंने फसलों के नुकसान का सर्वे करकर मुआवजा दिलाने की भी अपील की।

निधि आपके निकट 2.0 में 85 शिकायतों का हुआ समाधान

लखनऊ, (संवाददाता)।कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय ने निधि आपके निकट 2.0 कार्यक्रम के तहत छह जिलों में प्राप्त 101 शिकायतों में से 85 का मौके पर निस्तारण किया। लखनऊ, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर खीरी, बाराबंकी और रायबरेली जिलों में लगे शिविर में वरिष्ठ अधिकारियों ने सीधे सदस्यों की शिकायतें सुनीं। पीएफ निकासी, पेंशन, यूएएन, केवाईसी और डिजिटल क्लेम से संबंधित मामले निपटाए गए। लखनऊ के शिविर में प्रयास पहल के तहत इसी माह सेवानिवृत्त हो रहे एक सदस्य को पीपीओ (पेंशन भुगतान आदेश) सौंपा गया।

फूलों से सजा श्याम का दरबार, गीतों से सजी संध्या

लखनऊ, (संवाददाता)। एकादशी पर बुधवार को आर्यनगर स्थित सिंघल सदन में बाबा श्याम का दरबार लगा। परिसर को फूलों व रोशनी से सजाया गया। भजन गायकों ने मनमोहक गीतों की प्रस्तुतियां दीं। सांवरे सलोने सताया ना करो, रोज–रोज सपनों में आया ना करो..., ना पुष्पों के हार, ना सोने के दरबार, श्याम तो प्रेम के भूखे हैं, कन्हैया प्रेम के भूखे हैं... जैसे गीतों से संध्या महक उठी। इससे पहले पुरोहित रितेश और नीलेश अग्रवाल ने पूजा कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बाबा श्याम का स्वर्णिम आभा से सुशोभित रूप भक्तों को मंत्रमुग्ध कर रहा था। अवसर पर अनुपम मित्तल, सक्षम खंडेलवाल, रिंकू, राजेंद्र अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, नरेश चंद्र अग्रवाल स्वाति गोयल, सोनिका अग्रवाल, हर्ष अग्रवाल, यश अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

बाल रेल के चक्कर हुए आधे, एडवेंचर जोन में भी सन्नाटा

लखनऊ, (संवाददाता)। भीषण गर्मी के कारण इन दिनों चिड़ियाघर में सन्नाटा पसरा हुआ है। परिसर की बाल रेल के चक्कर आधे रह गए हैं और एडवेंचर जोन भी खाली पड़ा है। राजधानी में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस पार होने से आम लोगों के साथ वन्यजीव भी परेशान हैं। चिड़ियाघर के निदेशक संजय कुमार विस्वाल के मुताबिक, गर्मी से दर्शकों की संख्या आधी रह गई है। सामान्य दिनों में यहां हर रोज करीब 5,000 दर्शक आते थे, अब यह संख्या 2,000 के आसपास लुढ़क गई है। दर्शकों की कमी के कारण बाल रेल भी अब रोजाना 22–24 चक्करों के बजाय सिर्फ 10–11 चक्कर ही लगा पा रही है। इसके अलावा, वन्यजीव भी गर्मी से बचने के लिए ज्यादातर समय अपने बाड़ों के अंदर ही दुबके रहते हैं, जिससे आने वाले दर्शक उन्हें देख नहीं पा रहे हैं। चिड़ियाघर प्रशासन ने वन्यजीवों को राहत देने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। लू और धूप से बचाने के लिए बाड़ों को हरी चादरों व घास की परतों से ढका गया है। साथ ही जानवरों को ठंडक पहुंचाने के लिए जगह–जगह फव्वारे (स्प्रिंकलर्स) भी लगाए गए हैं।

डॉ. सोनिया नित्यानंद को मिला कर्मविभूषण सम्मान

लखनऊ, (संवाददाता)। सनातन महापरिषद भारत और राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद ने बुधवार को लोक निर्माण विभाग के विश्वेश्वरैया भवन में सम्मान समारोह आयोजित किया। इसमें कार्यक्रम में पत्रकारों, समाजसेवियों ने शिरकत की। इस मौके पर किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद को कर्मविभूषण–2026 सम्मान से नवाजा गया। बीपीसीएल लखनऊ की वरिष्ठ अधिकारी राजश्री मुखर्जी व कई अन्य विशिष्टजनों को भी सम्मानित किया गया। सनातन महापरिषद भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीएम. पांडेय ने पत्रकारों के लिए हेल्पडेस्क बनाने की मांग रखी।

लोकतंत्र की मजबूती में निष्पक्ष पत्रकारिता की अहम भूमिका - राजेश कुमार

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।पत्रकारिता दिवस के अवसर पर शुक्रवार को अयोध्या के अरुंधती रेस्टोरेंट में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने वर्तमान समय में पत्रकारिता के समक्ष उपस्थित चुनौतियों, सामाजिक दायित्वों और निष्पक्ष पत्रकारिता की आवश्यकता पर विस्तार से विचार व्यक्त किए।संगोष्ठी का शुभारंभ मंडलायुक्त राजेश कुमार, संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास, उदासीन आश्रम के महंत भरत दास, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा तथा पूर्व सूचना आयुक्त नरेंद्र श्रीवास्तव ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार कमलाकांत सुंदरम ने किया। अतिथियों के प्रति आभार भानु प्रताप सिंह एवं आशुतोष पाठक ने व्यक्त किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संगत ऋषि आश्रम रानोपाली के महंत भरत दास महाराज ने कहा कि पत्रकारिता वर्तमान समय में कठिन दौर से गुजर रही है, लेकिन यदि पत्रकार निर्भीक एवं निष्पक्ष होकर कार्य करते रहेंगे तो समाज और आमजन को उसका लाभ मिलता रहेगा।महंत संजय दास ने कहा कि आज इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से पहले सोशल मीडिया सक्रिय हो जाता है, फिर भी प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता आज भी बनी हुई है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता में समावेशी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है।मंडलायुक्त राजेश कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में पत्रकार और पत्रकारिता दोनों के सामने अनेक चुनौतियां हैं।पत्रकार समाज का दर्पण होता है और उसे स्वयं की सुरक्षा के साथ समाज को सही दिशा दिखाने का कार्य करना चाहिए, ताकि समाज भटकाव से बच सके।पूर्व सूचना आयुक्त नरेंद्र श्रीवास्तव ने हिंदी पत्रकारिता के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पत्रकारिता मूल रूप से समाज सेवा का माध्यम है। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों से प्रारंभ होने वाले संगठन भी समय के साथ विशाल स्वरूप ग्रहण करते हैं। उन्होंने अयोध्या पत्रकार प्रतिष्ठान से जुड़े पत्रकारों का उत्साहवर्धन भी किया।श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने कहा कि पत्रकारिता ही समाज को सूचनाओं से अवगत कराती है। वर्तमान समय पत्रकारों के लिए चुनौतीपूर्ण अवश्य है,लेकिन जब तक कलम निर्भीक होकर चलती रहेगी, तब तक समाज सुरक्षित रहेगा।इस दौरान अतिथियों का स्वागत सुशील पांडेय, शरद शर्मा, अनुराग शुक्ला, रमेश मिश्रा, निमिष गोस्वामी, अखंड प्रताप सिंह, बम–बम यादव, चंद्रमोहन श्रीवास्तव, सुभाष सिंह, अजेन्द्र पांडेय, सर्वेश श्रीवास्तव, नितिन मिश्रा सहित अन्य पत्रकारों ने किया।संगोष्ठी में वरिष्ठ पत्रकार केबी शुक्ला, शिवकुमार मिश्रा, केके मिश्रा, अज्जू श्रीवास्तव, मनमीत गुप्ता, राघवेंद्र शुक्ला, प्रशांत शुक्ला, सौरभ शुक्ला, राकेश यादव, समीर शाही, अपूर्व पाठक, शिवेंद्र द्विवेदी समेत बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे।

निर्माणाधीन गहरे नाले में गिरकर ढाई साल के मासूम की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। रायबरेली के लालगंज कस्बे के घोसियाना मोहल्ले के गहरे गंदे नाले ने बृहस्पतिवार शाम एक परिवार की खुशियां छीन लीं। खुले और गहरे नाले में गिरकर ढाई साल के मासूम अल्तमस उर्फ अरहम की मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे मोहल्ले में मातम पसरा है। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। मोहल्ला निवासी आजम का बेटा अरहम बृहस्पतिवार शाम घर के बाहर खेल रहा था। घर के पास बने गहरे नाले में भरे गंदे पानी में वह अचानक गिर गया। कुछ देर तक बच्चा नजर नहीं आया तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। करीब एक घंटे बाद अरहम नाले में उतराता मिला। परिजन आनन फानन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद बच्चे को मृत घोषित कर दिया। बेटे की मौत के बाद मां अल्फिया बदहवास हो गईं। पिता आजम का भी रो रोकर बुरा हाल बना हुआ है। रिश्तेदार और मोहल्ले के लोग देर रात तक परिवार को ढांढस बंधाते रहे। हादसे के बाद मोहल्ले के लोगों में नगर पंचायत प्रशासन और ठेकेदार के खिलाफ आक्रोश है। लोगों का कहना है कि वार्ड नंबर 12 में करीब एक साल से नाला निर्माण का काम चल रहा है। काम बेहद धीमी गति से हो रहा है। आरोप है कि अगर समय पर नाला बन गया होता तो मासूम की जान बच सकती थी।

दो बाइकों पर पलटा प्याज लदा अनियंत्रित ट्रक, तीन युवकों की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। मुंशीगंज थाना क्षेत्र में टांडा–बांदा राजमार्ग पर बृहस्पतिवार देर रात प्याज लदा तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर दो बाइकों पर पलट गया। हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। घटना के बाद चालक ट्रक छोड़कर मौके से भाग निकला। हादसा मुंशीगंज क्षेत्र के लोकीपुर गांव के पास रात करीब साढ़े दस बजे हुआ। जानकारी के अनुसार प्याज लदा ट्रक गौरीगंज से सुल्तानपुर की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने चल रही बाइक को बचाने के प्रयास में चालक संतुलन खो बैठा। तेज रफ्तार ट्रक बगल से गुजर रही दो मोटरसाइकिलों पर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। दुर्घटना में प्रतापगढ़ जिले के अंतू थाना क्षेत्र के गाजीपुर निवासी 16 वर्षीय प्रिंस वर्मा पुत्र श्यामलाल वर्मा और 25 वर्षीय सनी कुमार पुत्र रामदेव वर्मा की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं सुल्तानपुर निवासी

राजू गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से उसे जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। श्रावस्ती निवासी अजीत गंभीर रूप से घायल है और जिला अस्पताल में भर्ती है। बताया जा रहा है कि हादसे का शिकार हुए सभी युवक रिश्तेदार थे और भंडारे में शामिल होकर वापस लौट रहे थे। देर रात हुए हादसे से परिवारों में शोक का माहौल है। सूचना मिलते ही मुंशीगंज पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू कराया। ट्रक के नीचे दबे युवकों को बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया। चिकित्सकों ने तीन युवकों को मृत घोषित कर दिया। मुंशीगंज थाना प्रभारी शिवाकांत त्रिपाठी ने बताया कि ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है।

सीट नहीं, जीत पर अड़ी सपा कांग्रेस की बढ़ी महत्वाकांक्षा, 2027 चुनाव में सीट बंटवारे पर फंसेगा पेच

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में मिशन 2027 के लिए साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ने जा रहे सपा और कांग्रेस के बीच सीटों को लेकर कड़ी सौदेबाजी के आसार हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में मिली अप्रत्याशित सफलता के बाद दोनों दल एक–दूसरे को तौलने में लगे हैं। एक ओर जहां लोकसभा नतीजों से जोश से भरी कांग्रेस की महत्वाकांक्षाएं हिलोरे मार रही हैं, वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सीट वितरण को लेकर इस बार बेहद सख्त तेवर के संकेत दिए हैं। सपा इस बार कांग्रेस को 2017 के विधानसभा चुनाव के मुकाबले कम से कम 25 सीटें कम देगी। लोकसभा चुनाव की सफलता के बाद अखिलेश यादव खुद को यूपी में बड़े भाई की भूमिका में देख रहे हैं और सीटों के मामले में कोई ढिलाई बरतने के मूड में नहीं हैं। वहीं, कांग्रेस राष्ट्रीय पार्टी होने के नाते अपनी जमीन ज्यादा सिकुड़ने नहीं देना चाहती। ऐसे में 2027 की बिसात पर दोनों सहयोगियों के बीच एक कड़ा और दिलचस्प मोल–तोल होना तय माना जा रहा है। हालांकि गठबंधन के भविष्य को लेकर अखिलेश ने साफ कर दिया है कि बात सीटों की संख्या की नहीं, बल्कि जीत की है। वह स्पष्ट कर चुके हैं कि सपा की नजर भाजपा को हराने वाले जिताऊ समीकरणों पर है। दूसरी ओर, कांग्रेस पिछली बार की तुलना में कम सीटों पर नहीं लड़ना चाहती।

पुरुषोत्तम बने विश्व बंधुतेश्वरम धाम निर्माता संतों किन्नरों का मिला अखंड आशीर्वाद

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

चित्रकूटधाम।बंधुत्वेश्वरम धाम मय हुआ कामदगिरि चित्रकूट धाम पुरुषोत्तम मास में बंधुत्वेश्वरम धाम निर्माण श्री राम की पादुकाएं भरत जी के त्याग के दीपक की प्राण प्रतिष्ठा कामदगिरि धाम में संपन्न हुई मुख्य अतिथि दिव्य जीवन दास महाराज जी निर्मोही अखाड़ा एवं अध्यक्षता भरत मिलाप मंदिर के महंत राम मनोहर दास जी ने शोभा बढ़ाई किन्नर समाज की मुख्य अतिथि पुण्य गिरी जी महराज जूना अखाड़ा अनंत विभूषित महामंडलेश्वर अंतरराष्ट्रीय परिषद उपस्थित रही अटल विश्व बंधुत्वेश्वरम धाम निर्माण के संस्थापक अध्यक्ष संजीव द्विवेदी मानस पुत्र अटल बिहारी वाजपेई पूर्व प्रधानमंत्री भारत ने श्री राम की चांदी की पादुका की प्राण प्रतिष्ठा भरत जी के त्याग का दीप संयुक्त राष्ट्र संघ के लिए विराट रूप में संतों किन्नरों ने बंधुत्वेश्वरम के लिए मिलकर प्रज्वलित किया इस अवसर महान संत भरत मिलाप मंदिर के महंत एवं अटल विश्व बंधुत्वेश्वरम धाम निर्माण के संरक्षक लोक ऋषि राम मनोहर दास जी की अध्यक्षता में और मुख्य अतिथि दिव्य जीवन दास महाराज आदि चित्रकूट के महान संत उपस्थित रहे तथा दक्षिण रामेश्वरम यस्य उत्तरे बंधुत्वेश्वरम के जय घोष के नारे नर सिंह नर वानर नर किन्नर की सनातन परम्परा में लगे। गुजरात से आई महामंडलेश्वर अंतरराष्ट्रीय किन्नर अखाड़ा पुण्य गिरी ने कहा जिस तरह सेतु बंध रामेश्वरम नर वानर और संतों की कृपा से बना ठीक उसी प्रकार नर किन्नर मिलके संतों की कृपा से निर्माण अटल विश्व बंधुत्वेश्वरम धाम चित्रकूट कामदगिरि में होगा। एक नए नाम से जुड़कर रामेश्वरम तक दीप जलाकर अटल विश्व बंधुत्वेश्वरम धाम उत्तर भारत से दक्षिण भारत को बंधुत्व के विराट रूप नर नारी के त्याग और अटूट प्रेम की गाथा जायेगा।और संयुक्त राष्ट्र संघ के लिए भरत जी के त्याग का दीप प्रज्वलित होगा भगवान राम ने किन्नरों को संतों की उपस्थिति में त्रेता में बंधुत्वेश्वरम धाम चित्रकूट में आशीर्वाद दिया था और भाई भाई का मिलन हुआ था। पादुका प्राण प्रतिष्ठा वैदिक मंत्रों से पंडित तरन तारण जी महाराज अयोध्या ने कराई इस मौके पर ग्रामीण पत्रकार एसोशिएशन लखनऊ के अध्यक्ष आर एल पाण्डेय ट्रस्ट के पदाधिकारीगण मदन मोहन शर्मा सुनील मिश्रा आलोक सिंह पूर्ण मनोयोग से कार्य में रहे प्रेमा बुआ किन्नर किंजल किन्नर गुजरात उपस्थिति रही संतों ने आशीर्वाद फलस्वरूप बंधुत्वेश्वरम धाम के जयकारे लगाए अटल विश्व बंधुत्वेश्वरम धाम के संस्थापक ने अपने आध्यात्मिक विचारों से दक्षिणे रामेश्वरम यस्य उत्तरे बंधुत्वेश्वरम के साथ कहा कि उत्तर भारत से दक्षिण भारत तक भरत जी त्याग के दीप रामेश्वरम तक प्रज्वलित होंगे और संयुक्त राष्ट्र संघ में राम भरत मिलाप बंधुत्वेश्वरम की मूर्ति दीप के साथ भेजी जाएगी। कार्यक्रम में संतों का भगवान राम और बंधुत्वेश्वरम धाम की कृपा से अंग वस्त्र सम्मानित किया गया संतों ने पुरुषोत्तम मास अटल जी के मानस पुत्र को पुरुषोत्तम बने का अखंड विजय का आशीर्वाद दिया।

राम जन्मभूमि मंदिर परिसर मे मां दुर्गा मंदिर पर फहराया धर्म ध्वज

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या जनपद स्थित श्रीरामजन्मभूमि परिसर में शुक्रवार की शाम सनातन संस्कृति और नारी शक्ति के अद्भुत संगम का एक नया विधिक व ऐतिहासिक अध्याय दर्ज हो गया। परकोटे के भीतर नवनिर्मित मां दुर्गा मंदिर के सर्वोच्च शिखर पर प्रखर राष्ट्रवादी वक्ता साध्वी ऋतंभरा और केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति के पावन सानिध्य में पूर्ण विधिक व वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच भव्य धर्म ध्वजारोहण संपन्न कराया गया। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा इस पूरे मांगलिक आयोजन को विधिक व व्यावहारिक रूप से पूरी तरह नारी शक्ति को समर्पित रखने का अभूतपूर्व निर्णय लिया गया था, जिसके अंतर्गत देश के कोने–कोने से आई लगभग 3600 प्रबुद्ध महिलाओं ने एक साथ परिसर में प्रवेश कर सनातन धर्म की जय–जयकार की। ध्वज फहराते ही संपूर्ण राम मंदिर परिसर श्जय माता दीश और श्जय श्रीरामश के गगनभेदी विधिक जयघोष से सराबोर हो उठा।इस गरिमामयी विधिक अनुष्ठान की मुख्य आधारस्तंभ और राम मंदिर आंदोलन का प्रखर चेहरा रहीं परम पूज्य साध्वी ऋतंभरा ने समारोह को संबोधित करते हुए एक बेहद कड़ा और स्पष्ट विधिक व सामाजिक संदेश दिया।उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि आज इस पावन परिसर से देश की संपूर्ण नारी शक्ति यह विधिक व आध्यात्मिक संकल्प ले रही है कि अब भारत की कोई भी मासूम बेटी लव जिहाद जैसी कुत्सित और अवैध साजिशों का शिकार कतई नहीं बनेगीय इसके लिए समाज की हर एक बच्ची को दुर्गा स्वरूप में ढालना होगा ताकि वे अपनी और अपनी संस्कृति की रक्षा स्वयं कर सकें। उन्होंने गोवंश की विधिक व धार्मिक सुरक्षा पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सख्त लहजे में कहा कि जब तक भारत की पवित्र धरती पर गोमाता का रक्त बहता रहेगा, तब तक सनातन समाज चैन से नहीं बैठेगा और ऐसी विधिक व धार्मिक क्रूरता को अब किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाए।इस मौके पर साध्वी ऋतंभरा ने ऐतिहासिक कारसेवकों के महान विधिक व भौतिक बलिदान को भावपूर्ण ढंग से याद किया और कहा कि लाखों रामभक्तों ने इस पावन दिन को देखने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी, जिसके प्रतिफल स्वरूप आज हमारे आराध्य प्रभु रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान हो चुके हैंय उन्होंने विधिक व सांस्कृतिक पुनरुत्थान की बात करते हुए कहा कि रामलला की प्राप्ति के बाद अब आगे ज्ञानवापी और कृष्ण जन्मभूमि के विधिक व धार्मिक गौरव की पुनर्स्थापना भी सुनिश्चित होगी, लेकिन गोमाता की हत्या के कलंक के बीच पूर्ण संतोष प्राप्त होना संभव नहीं है। मुख्य ध्वजारोहण से पूर्व परिसर में निर्मित भव्य यज्ञशाला में आचार्यों द्वारा विशेष वैदिक अनुष्ठान कराए गए, जिसमें साध्वी द्वय और ट्रस्ट के विधिक पदाधिकारियों ने पूर्ण विधि–विधान के साथ आहुतियां प्रदान कीं।इस पूरे महाआयोजन की सबसे विशिष्ट और विधिक रूप से सराहनीय बात यह रही कि मंदिर परिसर के भीतर सुरक्षा से लेकर वीआईपी अतिथियों के मार्गदर्शन की संपूर्ण कमान केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की जांबाज महिला बटालियन ने संभाली। महिला सैन्य कर्मियों ने ध्वज को मंदिर के सर्वोच्च शिखर पर विधिक रूप से स्थापित करने से लेकर देश भर से आई वीआईपी महिला अतिथियों के सुगम आवागमन को बेहद शालीनता और मुस्तैदी से नियंत्रित किया। इस भव्य कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद,दुर्गा वाहिनी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की मातृशक्ति विंग से जुड़ी लगभग 3600 चुनिंदा महिलाओं को ट्रस्ट द्वारा आधिकारिक विधिक पास जारी किए गए थे।सुरक्षा मानकों और आयोजन की विधिक गरिमा को अक्षुण्ण रखने के लिए कड़े नियम लागू थे, जिसके तहत यदि किसी महिला अतिथि के साथ उनके कोई पुरुष परिजन पहुंचे थे, तो उनके मुख्य परिसर में प्रवेश पर विधिक रोक रही और उनके आदरपूर्वक बैठने के लिए परिसर के मुख्य द्वार से बाहर एक सर्वसुविधायुक्त पृथक प्रतीक्षालय की विधिक व्यवस्था की गई थी।

अयोध्या में दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट का बाल अपचारी गिरफ्तार

अयोध्या में इनायत नगर थाना क्षेत्र से नाबालिग किशोरी को बहला–फुसलाकर ले जाने और पॉक्सो एक्ट के मामले में वांछित एक किशोर को पुलिस ने शनिवार सुबह गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया।जहां से उसे संप्रेक्षण गृह भेज दिया गया।पुलिस के मुताबिक,थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने लगभग दो माह पहले शिकायत दर्ज कराई थी। महिला ने बताया था कि उनकी 14 वर्षीय बेटी को 23 मार्च 2024 को पलिया प्रताप शाह गांव निवासी 17 वर्षीय सचिन बहला–फुसलाकर अपने साथ ले गया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी किशोर के खिलाफ संबंधित धाराओं और पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। घटना के कुछ दिनों बाद आरोपी किशोरी को उसके घर के पास छोड़कर चला गया था। किशोरी ने घर पहुंचकर परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी।मुकदमा दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। शनिवार सुबह मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने धरमगंज बाजार स्थित हरदोइया मोड़ के पास घेराबंदी कर आरोपी किशोर को पकड़ लिया।गिरफ्तारी के बाद उसे थाने लाकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई।

मॉडर्न एनजीओ द्वारा विशेष प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अयोध्या। किसानों की आय बढ़ाने तथा किसान उत्पादक कंपनियों (एफपीओ) को आधुनिक कृषि व्यवसाय से जोड़ने के उद्देश्य से मॉडर्न एनजीओ द्वारा एक विशेष प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का मुख्य विषय "उत्पाद विपणन, ब्रांडिंग एवं फूड प्रोसेसिंग" रहा,इस मौके पर सत्यदेव श्रीवास्तव ने हल्दी एवं खाद्य प्रसंस्करण उत्पादों के विपणन के विषय में एफपीओ कंपनियों को विस्तृत जानकारी प्रदान की।बताया कि यदि किसान एवं एफपीओ सामूहिक रूप से हल्दी, मसाले, दाल, आटा, अचार, मोटे अनाज आधारित उत्पाद एवं अन्य कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण और ब्रांडिंग करें, तो ग्रामीण उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाया जा सकता है।कहा कि आधुनिक समय में ग्राहक केवल उत्पाद नहीं,बल्कि उसकी गुणवत्ता,पैकेजिंग और विश्वसनीय ब्रांड को महत्व देता है।डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया प्रचार,ई–कॉमर्स तथा ओएनडीसी जैसे नेटवर्क के माध्यम से एफपीओ अपने उत्पादों की बिक्री बढ़ा सकते हैं।कार्यक्रम में नाबार्ड अधिकारियों द्वारा एफपीओ के लिए उपलब्ध विभिन्न योजनाओं, इक्विटी अनुदान, ऋण गारंटी, प्रसंस्करण इकाई स्थापना एवं वित्तीय सहायता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा की गई।किसानों को बीज उत्पादन, खाद्य प्रसंस्करण, शीत भंडारण एवं मूल्य श्रृंखला विकास के विषय में भी जागरूक किया गया।कार्यक्रम में उपस्थित किसानों एवं महिला स्वयं सहायता समूहों ने हल्दी प्रसंस्करण, मसाला पैकेजिंग, मोटे अनाज उत्पाद निर्माण तथा खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना में विशेष रुचि दिखाई। कई प्रतिभागियों ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर उत्पन्न करेंगे।कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने भविष्य में भी किसानों एवं एफपीओ कंपनियों के लिए आधुनिक कृषि व्यवसाय, डिजिटल विपणन, प्रसंस्करण एवं ब्रांडिंग से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही। उपस्थित किसानों ने कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी बताते हुए मॉडर्न एनजीओ एवं संबंधित अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।जिसमें जिले के विभिन्न एफपीओ प्रतिनिधियों, किसानों एवं महिला स्वयं सहायता समूहों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधिकारी व एलडीएम नाबार्ड तथा एपेक्स डीएसआर कंपनी के अधिकारी उपस्थित रहे।उपस्थित अधिकारियों ने एफपीओ मॉडल को ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम बताते हुए किसानों को सामूहिक कृषि व्यवसाय अपनाने के लिए प्रेरित किया।प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने किसानों को आधुनिक बाजार व्यवस्था, मूल्य संवर्धन, उत्पाद की गुणवत्ता, आकर्षक पैकेजिंग, ब्रांडिंग तथा डिजिटल विपणन के महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।अधिकारियों ने कहा कि वर्तमान समय में केवल कृषि उत्पादन बढ़ाना पर्याप्त नहीं है,बल्कि उत्पाद को बेहतर रूप में बाजार तक पहुंचाना भी उतना ही आवश्यक है।किसानों को बीज उत्पादन, खाद्य प्रसंस्करण, शीत भंडारण एवं मूल्य श्रृंखला विकास के विषय में भी जागरूक किया गया।कार्यक्रम में उपस्थित किसानों एवं महिला स्वयं सहायता समूहों ने हल्दी प्रसंस्करण, मसाला पैकेजिंग, मोटे अनाज उत्पाद निर्माण तथा खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना में विशेष रुचि दिखाई। कई प्रतिभागियों ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर उत्पन्न करेंगे।कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने भविष्य में भी किसानों एवं एफपीओ कंपनियों के लिए आधुनिक कृषि व्यवसाय, डिजिटल विपणन, प्रसंस्करण एवं ब्रांडिंग से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही। उपस्थित किसानों ने कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी बताते हुए मॉडर्न एनजीओ एवं संबंधित अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर मीडिया सेंटर संस्थान के तत्वाधान में विचार गोष्ठी व सम्मान समारोह का आयोजन

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर मीडिया सेंटर संस्थान के तत्वाधान में विचार गोष्ठी व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।हिंदी पत्रकारिता दिवस पर आयोजित समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक देवेंद्र श्रीवास्तव सनातन रक्षा संघ के अध्यक्ष माधव मुकुंद त्रिपाठी,वरिष्ठ पत्रकार सीएम यादव,प्रबंधक निर्देशिका रूबी सोनी आदि ने दीप प्रज्वलित कर किया।विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए सीएम यादव ने कहा 30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस उस गौरवपूर्ण यात्रा का स्मरण है जिसकी शुरुआत लगभग 200 वर्ष पहले 1826 में हिंदी समाचार पत्र उदंत मार्तंड के प्रकाशन से हुई वरिष्ठ पत्रकार देवेंद्र श्रीवास्तव ने कहा पत्रकारिता लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाती है निर्देशक आचार्य स्कंद दास ने कहा पत्रकारिता जनभावनाओं को अभिव्यक्त करने और लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाने के महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं विचार गोष्ठी को प्रबंध निर्देशिका रूबी सोनी, और संस्थान के संरक्षक महेंद्र उपाध्याय आदि ने संबोधित किया इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों सहित सभी पत्रकारों को अंग वस्त्र वह भगवान श्री राम का चित्र एवं डायरी पेन देकर सम्मानित किया गया है।इस अवसर पर मिताली रस्तोगी मंजू वर्मा, शिल्पी दत्ता,एडवोकेट डॉक्टर प्रदीप तिवारी ,उत्तम पांडे, तीर्थ पुरोहित धर्म सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश जी महाराज, अभिषेक उपाध्याय,संजय यादव ,अवध किशोर मौर्य, राजेश कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

डाक्टर निरंकार पाण्डेय होंगे नवागत डीईओ

अयोध्या।जिला आबकारी अधिकारी सुरेश चंद्र मिश्रा का स्थानांतरण जिला आबकारी अधिकारी देवरिया पद पर हो गया है।अब उनकी जगह सहायक आबकारी आयुक्त त्रिवेणी आसवनी मुजफ्फरनगर डाक्टर निरंकार नाथ पांडे नवागत जिला आबकारी अधिकारी के रूप में होंगे। स्थानांतरण के इसी कड़ी में सहायक आबकारी आयुक्त प्रवर्तन 2 अयोध्या रहे धर्मेंद्र वर्मा अब सुल्तानपुर जनपद में जिला आबकारी अधिकारी के रूप में तैनात होंगे। जबकि जिला आबकारी अधिकारी बदायूं रहे विजय सिंह चौहान का स्थानांतरण अयोध्या जनपद में सहायक आबकारी प्रवर्तन 2 के पद पर हुआ है।

डिजिटल होते युग के बावजूद पेपर लेस कार्य संभव नहीं – अरविंद

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।हिंदी पत्रकारिता के 200 गौरवशाली वर्ष के अवसर पर शहर के सिविल लाइंस स्थित एक होटल के सभागार में वरिष्ठ पत्रकार विवेकानन्द पाण्डेय की ष्उठान के दिनष पुस्तक का विमोचन समारोहपूर्वक आयोजित हुआ।इस दौरान पत्रकारिता परिचर्चा और संगोष्ठी का आयोजन किया गया।सोशल एक्शन फॉर प्रोग्रेसिव नेशन फाउंडेशन (सपना फाउंडेशन) की ओर से आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि दिल्ली के वरिष्ठ पत्रकार व लेखक अरविंद कुमार सिंह ने कहा की संदर्भ, इतिहास और संस्मरणों को संजोने का सशक्त माध्यम पुस्तक होती है। किसी संस्मरणों को जब संजोया जाता है तब वह जीवंत हो उठते हैं। पत्रकारिता समाज के साथ इतिहास को गढ़ने का कार्य करती है। उन्होंने अपने कई संस्मरणों को साझा करते हुए विमोचित पुस्तक ष्उठान के दिनष को भविष्य के लिए मिल का पत्थर बताया।कहा कि डिजिटल होते युग में लेस पेपर तो संभव है, पर पेपर लेस कार्य संभव नहीं हैं।जिस दिन लेखन और पठन–पाठन बंद होगा समाज में अस्थिरता पैदा हो जाएगी।अध्यक्षता कर रहीं राजा मोहन गर्ल्स पीजी कॉलेज (मनूचा) की प्राचार्या डॉ. मंजूषा मिश्रा ने कहा कि आज के दौर में हम पुस्तकों से दूर हो रहे हैं।जो भावी पीढ़ी के लिए बड़ी समय होगा। पुस्तकों का लेखन साहित्य के प्रति प्रेम को सहज ही प्रकट करता है। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार त्रियुग नारायण तिवारी ने पुस्तक और पत्रकारिता के कई आयामों की विस्तार से चर्चा की।आकाशवाणी अयोध्या केंद्र के सहायक निदेशक (अभियांत्रिकी)अनिल सिंह, कार्यक्रम प्रमुख संजय धर द्विवेदी,उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद के प्रदेश अध्यक्ष मणि शंकर तिवारी और एसएसवी इंटर कॉलेज के अवकाश प्राप्त प्रधानाचार्य शिक्षाविद डॉ. वीरेंद्र कुमार त्रिपाठी ने भी समारोह को संबोधित किया।इसके पहले आपस प्रकाशन के संपादक– प्रकाशक डॉ. विंध्यमणि ने उठान के दिन पुस्तक की विस्तार से चर्चा की।राज्य पुरस्कार से सम्मानित अध्यापक अनूप मल्होत्रा ने स्वागत और सपना फाउंडेशन अध्यक्ष डॉ.स्वदेश मल्होत्रा ने धन्यवाद व्यक्त किया। समारोह का संचालन उठान के दिन पुस्तक के लेखक वरिष्ठ पत्रकार विवेकानंद पाण्डेय विवेक ने किया।कार्यक्रम के आरंभ में अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। अतिथियों को अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।समारोह में प्रमुख रूप से वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. उपेंद्र मणि त्रिपाठी, एडवोकेट शीतला पांडेय, पुलिस उपमहानिरीक्षक कार्यालय में कार्यरत खाकी वाले गुरु उप निरीक्षक रणजीत यादव, आर्ट ऑफ लिविंग के शिक्षक अनुज कुमार वैश्य भज्जा, शिक्षक वारिज नयन शर्मा, नंद किशोर उपाध्याय, रमाकांत पाण्डेय, शीला पाण्डेय, व्यवसायी विवेक जैन, रविंद्र कुमार पाण्डेय, भास्कर पाण्डेय, अभिज्ञान यादव, सचिन त्रिपाठी, रामकृष्ण सेवा फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष आकाश गुप्ता, बृजेंद्र दुबे, गायत्री पाण्डेय, सोनी पाण्डेय, प्रज्ञा, श्रद्धा, श्रेया, प्रिया, शशांक मिश्रा, शिवम मिश्रा, सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर गोष्ठी आयोजित, पत्रकारिता की चुनौतियों और दायित्वों पर हुई चर्चा

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर सर्किट हाउस के सभागार में इंडियन कौंसिल ऑफ प्रेस के तत्वावधान में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पत्रकारिता के बदलते स्वरूप, सामाजिक सरोकारों और मीडिया की जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार रूपेश श्रीवास्तव ने की, जबकि संचालन राजेंद्र कुमार दूबे ने किया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में वरिष्ठ पत्रकार रूपेश श्रीवास्तव ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता ने देश के स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर लोकतंत्र को मजबूत बनाने तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वरिष्ठ पत्रकार समीर साही ने कहा कि पत्रकारिता केवल समाचारों का संकलन नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा देने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने पत्रकारों से तथ्य परक और जिम्मेदार पत्रकारिता को प्राथमिकता देने का आह्वान किया।वरिष्ठ पत्रकार आकाश सोनी ने कहा कि डिजिटल युग में पत्रकारिता का दायरा व्यापक हुआ है, लेकिन इसके साथ फेक न्यूज और अपुष्ट सूचनाओं की चुनौती भी बढ़ी है। ऐसे में पत्रकारों को अपनी विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए सत्यापन और निष्पक्षता पर विशेष ध्यान देना चाहिए। प्रदेश सचिव सुबोध श्रीवास्तव ने कहा आज पत्रकारों से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा तथा जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाने का आह्वान किया है।इस अवसर पत्रकार प्रशांत शुक्ला ,राकेश श्रीवास्तव, अमित , मनोज शर्मा, वैभव श्रीवास्तव , शिवम कुमार सहित दर्जनों पत्रकार उपस्थित रहे ।

रामगंज बाजार मे शिव मंदिर से सीमान्त तक नाली निर्माण की मांग हुई तेज

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। सदर तहसील मे मया ब्लाक के बेलवारी खान ग्राम सभा के तहत रामगंज बाजार स्थित शिव मंदिर से सब्जी मंडी तक नए नाले का निर्माण कराए जाने के लिए गोशाईगंज नगर पंचायत की सभासद एवं जय बाबा अमर नाथ बर्फानी सेवा समिति (रजि0) की अध्यक्ष आरती जायसवाल ने मुख्यमंत्री, मंडलायुक्त,अध्यक्षध्प्रशासक जिला पंचायत के साथ साथ डीएम,वीडीओ को पत्र भेजा है!भेजे गए पत्र मे सभासद जायसवाल ने दर्शाया हैं कि 2 दशक पूर्व गॉव प्रधान द्वारा जल निकासी या अंतिम छोर (आउट फल) तक कोई पूर्व योजना तय किये रामगंज बाजार स्थित शिव मंदिर से सब्जी मंडी तक लाखों रूपये खर्च करके आधा अधूरा नाली का निर्माण कराया गया था!लेकिन उसके बाद सड़क ऊंची होने एवं लोगों का मकान नीचे होने के कारण नाली के पानी की निकासी बाधित हो गई!एक व्यावहारिक और दूरदर्शी दृष्टिकोण के अभाव में यह नाली स्थानीय नागरिकों के लिए सुविधा के बजाय एक समस्या बन चुकी है!वर्तमान स्थिति यह है कि लोगों के घरों का पानी नाली में तो पहुंचता है, लेकिन निकासी न होने के कारण उसी में सड़ता रहता है या फिर नीची नाली होने के कारण लोगो के घरों का पानी या तो उलटे घरों मे प्रवेश करता हैं या फिर उफनाकर उक्त संपर्क मार्ग पर जगह–जगह बहने लगता है!आए दिन इस दूषित पानी के बीच से गुजरने को मजबूर स्थानीय लोग अब स्वास्थ्य समस्याओं के मुहाने पर खड़े हैं!सबसे अधिक भयावह और चिंता जनक स्थित आगामी मानसून को लेकर है!मोहल्ले की भौगोलिक स्थिति के अनुसार नाली के पानी का ढलान जहाँ पहले दिया गया था,वहा की जमीनों पर घर बन गए हैं!यदि समय रहते ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो पहले ही बारिश में यह पूरा मार्ग तालाब में बदल जाएगा!जिससे लोगों का घर से निकलना और राहगीरों का आवागमन पूरी तरह ठप हो जाएगा!मामले को लेकर बुधवार को सभासद प्रतिनिधि दिनेश कुमार जायसवाल पत्रकार ने जिला पंचायत अयोध्या के प्रशासकध्अध्यक्ष प्रतिनिधि रोहित सिंह से मुलाकात कर मांग पत्र दिया तथा समस्या से उनको अवगत कराया!जिला पंचायत के प्रशासकध्अध्यक्ष प्रतिनिधि रोहित सिंह ने सभासद प्रतिनिधि को आश्वास्त किया कि जल्द ही वे मामले का निस्तारण कराने का प्रयास करेंगे।

बदहाल सीवर कार्यों की बदहाली पर नगर विधायक का फूटा गुस्सा

(डाक्टर अजय तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।शहर में बदहाल सीवर व्यवस्था, महीनों से खोदी गई सड़कों और अधूरे पड़े कार्यों को लेकर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता का गुस्सा आखिरकार फूट पड़ा।सर्किट हाउस सभागार में जल निगम अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में विधायक ने अधिकारियों और ठेकेदारों की कार्यशैली पर तीखी नाराजगी जताते हुए कहा कि "जनता को परेशान करने वाली लापरवाही अब किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।"बैठक के दौरान पार्षदों ने शहर के विभिन्न वार्डों में सीवर परियोजना की अव्यवस्था और सुस्त कार्यप्रणाली की पोल खोलकर रख दी।पार्षद अनुज दास ने बताया कि छह महीने पहले सड़क खोदने के बाद आज तक निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ।जिससे स्थानीय लोगों का आवागमन दूभर हो गया है।पार्षद अनूप श्रीवास्तव ने कहा कि कई स्थानों पर महीनों से काम लंबित पड़ा है और संबंधित ठेकेदार संसाधनों के अभाव में काम तक नहीं करा पा रहा।पार्षद दीप कुमार गुप्ता ने आदर्श पुरम कॉलोनी के सड़कों की बदहाली का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सीवर लाइन डालने के बाद सड़कें चलने लायक नहीं बची हैं। घोसियाना क्षेत्र में पाइप डालने के बाद ठेकेदार महीनों से गायब है। वहीं पार्षद अंकित त्रिपाठी ने लोगों के घरों में सीवर का पानी भरने की गंभीर शिकायत रखी।पार्षद ज्ञान केसरवानी ने मकबरा फतेहगंज रोड में चल रहे सीवर कार्य में जलनिगम की कार्यशैली पर सवाल उठाए।पार्षद विनय जायसवाल ने रामपथ पर खुले पड़े मैनहोल, ढक्कन गायब होने, सीवर ओवरफ्लो और कंट्रोल रूम द्वारा शिकायतों के निस्तारण में उदासीनता के मुद्दे भी जोरशोर से उठे।इन शिकायतों पर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने अधिकारियों को कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए निर्देश दिया कि जब तक पुराने और अधूरे कार्य पूरे नहीं हो जाते, तब तक किसी भी नए स्थान पर सीवर लाइन का कार्य शुरू न किया जाए।उन्होंने अधिकारियो को निर्देश दिए कि सभी खोदी गई सडकों के गुणवत्ता पूर्ण निमार्ण से पहले ठेकेदारों का भुगतान रोक दिया जाए।विधायक ने कहा कि बरसात से पहले हर हाल में खोदी गई सड़कों का निर्माण पूरा होना चाहिए। उन्होंने जल निगम की कार्यशैली को अव्यवस्थित बताते हुए कहा कि अधिकारियों व कर्मचारियों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जाएगी और कार्यशैली में सुधार न आने पर शासन को कार्रवाई की संस्तुति भेजी जाएगी।बैठक जल निगम के अधीशाषी अभियन्ता नगरीय रोहित चौरसिया, सहायक अभियन्ता विवेक पाण्डेय, संतोष कुमार सिंह, मंडल अध्यक्ष रवि सोनकर, मीडिया प्रभारी अमित कुमार मिश्र, वरूण चौधरी, मौजूद रहे।

नवजात शिशु को लेकर घर जाने के लिए प्रसूता महिला चिकित्सालय सीएमएस के कार्यालय का लगा रही चक्कर

अयोध्या।एक सप्ताह पूर्व जिला महिला चिकित्सालय मे भर्ती एक महिला ने बच्चे को जन्म दिया। लेकिन कागजी खानापूर्ति के चलते वह महिला चिकित्सालय से बाहर नही जा पा रही है।जिसके चलते प्रसूता अपने नवजात शिशु के साथ वार्ड व सीएमएस का चक्कर लगा रही है। लेकिन सीएमएस डाक्टर विभा कुमारी कागजी कार्यवाही का बहाना बनाकर उसे नहीं भेज रही है।बताते चले कि

कि बीते 24 मई को आरपीएफ कर्मी ने अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन से मुंबई जाने वाली तुलसी एक्सप्रेस से लगभग 30 वर्षीय गर्भवती महिला निवासी मीरपुर रहीमाबाद थाना मोहम्मदाबाद मोहाना जनपद मऊ को जिला महिला चिकित्सालय में भर्ती कराया था।गर्भवती महिला ने 25 मई को एक बालक को महिला चिकित्सालय मे जन्म दिया।वह महिला अपने मायके जाने के लिए सीएमएस डाक्टर विभा कुमारी से कह रही है। लेकिन ना ही उक्त महिला को उसके माता–पिता ले जाने को तैयार है और ना ही ससुराल वाले ले जाने को तैयार है।छः दिन बीतने के बाद भी महिला अपने नवजात शिशु के साथ जिला महिला अस्पताल में ही भर्ती है।महिला बार–बार नवजात शिशु के साथ अपने वार्ड व सीएमएस के कार्यालय का चक्कर लगा रही है लेकिन इसके बाद भी कोई हल नहीं निकल पा रहा है। इस संबंध में सीएमएस डाक्टर विभा कुमारी ने बताया कि 24 मई को आरपीएफ कर्मियों ने गर्भवती महिला को चिकित्सालय में भर्ती कराया था 25 मई को उसने एक बच्चे को जन्म दिया। बताया कि उन्होंने उसे गंतव्य स्थान तक पहुंचाने के लिए एसडीएम सदर,आरपीएफ,जीआरपी,अधिकारियों अन्य समाजसेवी संस्थाओं से संपर्क साधा।लेकिन अभी तक ना तो उसे भेजने की जहमत जीआरपी,आरपीएफ के अधिकारी उठा रहे हैं और ना ही कागजी कार्यवाही पूरी होने के चलते को निर्णय निकल पा रहा है।मां बेटे दोनों को शीघ्र ही उसके परिजनों के पास भेजने का प्रयास चल रहा हैं। वही आरपीएफ अधिकारियो का कहना है कि उसने ट्रेन से गर्भवती महिला को महिला चिकित्सालय भेज दिया था अब उनसे नहीं लेना देना है। फिलहाल प्रसूता नवजात शिशु को लेकर जिला महिला चिकित्सालय मे भटक रही है।

महिला पुलिस कर्मियों ने मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओ को किया जागरूक

अयोध्या।शनिवार को मिशन शक्ति अभियान फेज–5 के तहत महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला के नेतृत्व मे महिला उप निरीक्षक श्वेता राठौर व अन्य पुलिस कर्मियों ने जिला महिला चिकित्सालय,जिला पुरुष चिकित्सालय, अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन सहित अन्य प्रमुख चौराहों तथा मार्गों पर मिशन शक्ति अभियान फेज – 5 के तहत महिलाओ व अन्य लोगो को जागरुक किया है।इस मौके पर उन्होंने महिलाओ व बेटियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रति जागरूक व सुरक्षात्मक उपाय भी बताई।इस मौके पर उन्होंने महिलाओं तथा बालिकाओं को सुरक्षात्मक टिप्स की भी जानकारी दिया।इस मौके पर उन्होंने विधवा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जिसमे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या समृद्धि योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया।इसके अलावा उन्होंने उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।बताया कि यह सभी नंबर आप लोग हमेशा याद रखें। जब भी आपको किसी भी प्रकार की सहायता लेने की जरूरत हो तो आप इस नंबर पर फोन कर सकते हैं।इस मौके पर महिला कांस्टेबल वंदना यादव,रिक्रूट महिला कांस्टेबल लक्ष्मी सोनी मौजूद रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।